www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 151 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
22 अगस्त 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:41
सूर्यास्तः 06:38
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07 »

विशेष समाचार कश्मीर पर अमेरिकी सुर ... » पेज 04 | निर्माणाधीन मॉल की शटरिंग ... » पेज 06 | 'दीपिका ने फिल्म स्पिरिट ...

जापानी कम्पनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश की व्यापक सम्भावनाएँ मौजूद : योगी

'यूपी में बड़ी संख्या में युवा मानव संसाधन'

चर्चा

■ एम0एस0एम0ई0 से लेकर बड़े उद्योगों तक जापान के निवेशकों का प्रदेश में स्वागत, प्रदेश का विशाल बाजार, बेहतर कनेक्टिविटी,मजबूत औद्योगिक आधार और तेजी से विकसित हो रहा आधारभूत ढांचा जापानी कम्पनियों के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा रहा

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से आज यहाँ उनके सरकारी आवास पर जापान के भारत में जापान के राजदूत श्री केइची ओनो ने शिष्टाचार भेंट की।

उत्तर प्रदेश में निवेश की व्यापक सम्भावनाएँ मौजूद

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जापानी कम्पनियों के लिए उत्तर प्रदेश में निवेश की व्यापक सम्भावनाएँ मौजूद हैं। एम0एस0एम0ई0 से लेकर बड़े उद्योगों तक जापान के निवेशकों का प्रदेश में स्वागत है। प्रदेश का विशाल बाजार, बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत औद्योगिक आधार और तेजी से विकसित हो रहा आधारभूत ढांचा जापानी कम्पनियों के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा रहा है। नोएडा स्थित जापान सिटी इस साझेदारी का महत्वपूर्ण केन्द्र है। इसके आसपास प्रमुख औद्योगिक क्लस्टरों और उत्कृष्ट कनेक्टिविटी के कारण निवेश की व्यापक सम्भावनाएँ हैं।

इस दौरान उत्तर प्रदेश और जापान के मध्य निवेश, उन्नत प्रौद्योगिकी, सेमीकण्डक्टर, मानव संसाधन विकास, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार और पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग को और व्यापक बनाने पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश जापान के साथ अपने आर्थिक और औद्योगिक सम्बन्धों को नई ऊंचाई देने के लिए तैयार है।

» (शेष पेज 06 पर)

उ0प्र0 और जापान के मध्य निवेश, उन्नत प्रौद्योगिकी, सेमीकण्डक्टर, मानव संसाधन विकास, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार और पर्यटन के क्षेत्र में सहयोग को व्यापक बनाने पर चर्चा

उ0प्र0 सरकार की ओर से जापान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की सेमीकण्डक्टर समिति की बैठक में सहभागिता की सम्भावनाओं पर चर्चा विनिर्माण, कृषि और नर्सिंग केयर जैसे क्षेत्रों में जापान में उपलब्ध रोजगार

अवसरों के लिए उ0प्र0 के युवाओं को तैयार करने पर भी चर्चा हुई

उन्नत प्रौद्योगिकी के महत्वपूर्ण क्षेत्र में जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और उ0प्र0 की औद्योगिक क्षमता के बीच सहयोग की व्यापक सम्भावनाएं

प्रदेश और जापान के बीच सहयोग

भेंट के दौरान मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश और जापान के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास बड़ी संख्या में युवा मानव संसाधन है और जापानी उद्योगों की जरूरत के अनुरूप इनके कौशल विकास को आगे बढ़ाया जा सकता है। जापान के तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा विशिष्ट कौशल श्रमिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को जापान में काम करने और अन्तरराष्ट्रीय कार्य अनुभव प्राप्त करने के अवसर मिल रहे हैं।

असम-मेघालय बॉर्डर पर नाकेबंदी

शिलॉन्ग । बुधवार को मेघालय में असम के लोगों से मारपीट से शुरू हुआ विवाद अब मेघालय के कई राज्यों तक पहुंच गया है। मेघालय में सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। असम ने भी मेघालय से लगी अपनी सीमाओं पर नाकेबंदी कर दी है। बुधवार को मेघालय के शिलांग में खासी स्टूडेंट्स यूनियन (KSU) की रैली के दौरान असम के लोगों के साथ मारपीट कर उनके वाहनों को आग लगा दी गई थी। हिंसा में 31 गाड़ियों को नुकसान पहुंचाया गया था, जिनमें ज्यादातर असम के नंबर की थीं। इसके बाद मेघालय के कई जिलों में हिंसा की छिटपुट घटनाएं शुरू हो गई थीं। हिंसा के शिकार ज्यादातर लोग असम के हैं। इसके विरोध में गुरुवार को गुवाहाटी के टैक्सी चालकों ने नेशनल हाईवे-27 पर आवाजाही रोक दी थी।

आंसर की' पर फीस लेना पैसा कमाना नहीं : एनटीए स्टूडेंट की आपत्ति सही तो पैसे वापस

विवाद

■ 16 अगस्त को जारी हुई थी यूजीसी नेट की आंसर की, 3 सब्जेक्ट के एग्जाम रद्द

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी NTA ने एग्जॉम के बाद जारी 'आंसर की' को चैलेंज करने वाली फीस पर गुरुवार को सफाई दी। NTA ने कहा- आंसर की में अगर किसी सवाल का जवाब गलत लगता है तो उम्मीदवार चैलेंज कर सकता है। इसके लिए हर सवाल पर 200 फीस देनी होती है।

एजेंसी ने कहा कि फीस इसलिए है, ताकि बेवजह की आपत्तियां न आएं। इसका मकसद छात्रों से पैसे कमाना नहीं है। यानी अगर आपको सच में आंसर की में गलती मिली है और आपकी आपत्ति सही है तो पैसे भी वापस मिलेंगे और लाखों छात्रों का रिजल्ट सही हो सकता है।

NTA ने 16 अगस्त को UGC-NET के 84 सब्जेक्ट के एग्जाम की आंसर की जारी की थी।

» (शेष पेज 06 पर)

जयपुर- सीजेपी प्रवक्ता को पीटा मंत्री को 48 घंटे का अल्टीमेटम

मारपीट करने वाले गुंडों को गिरफ्तार नहीं किया, तो मैं जयपुर आऊंगा :अभिजीत दीपके

हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

जयपुर । कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) प्रवक्ता आशुतोष रांका और उनके साथियों पर जयपुर में हमला हुआ है। रांका शुक्रवार सुबह 10 बजे सीतापुरा के राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा कंवरपुरा का निरीक्षण करने पहुंचे थे। तभी ग्रामीणों ने उन्हें पीटकर वहां से खदेड़ दिया। उनकी गाड़ियों पर भी पथराव किया गया। रांका के साथ मौजूद महिला समर्थकों पर गांव की महिलाओं ने मिट्टी फेंकी।

रांका ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा- हमले में गाड़ियों के शीशे और मोबाइल तोड़े गए, एक महिला से मारपीट हुई और उनकी शर्ट फाड़ दी गई। टीम के एक सदस्य का हाथ फ्रैक्चर हुआ है। रांका ने कहा- आज पूरे देश ने भाजपा की गुंडागर्दी लाइव देखी है। ये शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के कहने पर हुआ है।

» (शेष पेज 06 पर)

जर्जर बिल्डिंग के कारण स्कूल बंद, टीनशेड के नीचे पढ़ रहे बच्चे

रामपुरा गांव के सरकारी स्कूल की बिल्डिंग जर्जर हो गई है। स्कूल को बच्चों के लिए बंद कर दिया गया है। छत पर लोहे के एंगल लगाए गए हैं। स्कूल को 50 मीटर दूर एक बाड़े में शिफ्ट कर दिया गया है। बच्चे टीनशेड के नीचे पढ़ाई कर रहे हैं। बच्चे जहां पढ़ रहे हैं, उसके पास पशुओं का चारा भरा है। दीवारों की ईंटें गिर गई हैं।

फास्ट न्यूज

स्वाइन फ्लू से एमपी में महिला की मौत

मध्य प्रदेश । इंदौर में स्वाइन फ्लू से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान सरोज नागर (60) के रूप में हुई है। दिल्ली में H1N1 (स्वाइन फ्लू) के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को राजधानी की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की।

घटना **खुदखुशी**

सुसाइड करने पहुंचे बेटे को बचाने में पिता भी गिरे, मौत

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को माता-पिता और बेटे समेत 3 लोगों की मौत हो गई। 18 साल का युवक सुसाइड करने के इरादे से पहाड़ी पर पहुंचा था। पिता उसे चट्टान से पीछे खींचने की कोशिश कर रहे थे लेकिन दोनों पहाड़ी से नीचे गिर गए। पति और बेटे की मौत अपनी आंखों के सामने देखने के बाद मां ने भी पहाड़ी से छलांग लगा दी। तीनों की मौत हो गई। घटना तिसगांव इलाके के खावड्या पहाड़ की है। लड़का सुसाइड क्यों करने पहुंचा था इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है।

तेलंगाना सीएम रेड्डी को अमेरिका जाने की परमिशन नहीं मिली

हैदराबाद । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को अमेरिका जाने की केंद्र से मंजूरी नहीं मिली है। मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। CMO के मुताबिक, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाला तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल अमेरिका दौरा नहीं कर सकेगा।

गुजरात में जहरीली शराब पीने वाला शख्स ब्रेन डेड

दो दिनों में 8 की मौत, 5 की हालत गंभीर

तमसा संकेत, एजेंसी

भावनगर। शराबबंदी वाले गुजरात में नकली शराब से अब तक 9 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, शुक्रवार को सूरत में रहने वाले संजयसिंह डोडिया नाम के एक युवक को ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इस युवक ने भी 16 अगस्त की रात को भावनगर में शराब पार्टी की थी।

शराब पीने के बाद संजय रात को ही सूरत लौट आया था। सुबह तक उसकी हालत बेहद नाजुक हो गई थी। उसे सूरत के आईएनएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। संजय पिछले तीन दिनों से वेंटिलेटर पर था। गुरुवार की रात संजय को हार्ट अटैक आया और आज सुबह उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया।

■ 25 अस्पतालों में भर्ती, 5 की हालत गंभीर
■ 16 अगस्त की रात पी थी शराब

भावनगर में अब भी 25 लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं, इनमें 5 की हालत गंभीर है। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। मामला 16 अगस्त की रात घोघा के खरकड़ी गांव से शुरू हुआ।

» (शेष पेज 06 पर)

राहुल गांधी की जिद के आगे झुकी दिल्ली पुलिस, पैलेट गन केस में एफआईआर दर्ज

ये न्याय का पहला कदम : राहुल

आरोप

■ राहुल का 6 घंटे धरना, तब पैलेटगन मामले में एफआईआर कोई नामजद नहीं, प्रदर्शनकारी बोला-आंख खराब हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । राहुल गांधी के 6 घंटे धरने के बाद दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्र साहिल की FIR दर्ज कर ली। लेकिन मामला अज्ञात पर दर्ज किया गया है। साहिल का आरोप है कि पैलेट गन के छर्रे लगने से उसकी आंख की रोशनी चली गई। FIR दर्ज करवाने तक राहुल संसद मार्ग थाने के बाहर ही बैठे रहे और FIR के बाद छात्र के साथ थाने से निकले। राहुल शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे से थाने पहुंचे थे। जब राहुल की मांग नहीं मानी गई, तो वे DCP से मिले। बातचीत का नतीजा न निकलने पर धरने पर बैठ गए। बोले- जब तक FIR दर्ज नहीं होगी, हटूंगा नहीं। राहुल ने साहिल को लगे छर्रे दिखाकर कहा था- 'ये छर्रे सबूत हैं, साहिल के शरीर से निकले हैं। अगर पुलिस ने गन नहीं चलाई तो किसने चलाई।'

» (शेष पेज 06 पर)

> राहुल गांधी ने थाने से निकलते समय पैलेट गन मामले में एफआईआर दर्ज करने में हुई देरी पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि ऊपर से न्याय में रुकावट डाली जा रही थी। राहुल बोले- यह न्याय की दिशा में पहला कदम है। इस युवक के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है।

राहुल गांधी बोले- ये न्याय की तरफ पहला कदम है

FIR लिखे जाने के बाद साहिल के परिवार के साथ बाहर आए राहुल गांधी ने कहा कि हमने यहां आकर कुछ नया नहीं किया। लेकिन हमें यहां 8 घंटे लग गए, अपनी शिकायत दर्ज करवाने के लिए। ये न्याय की तरफ पहला कदम है। राहुल ने कहा- पुलिसवाले शिकायत दर्ज करना चाहते थे, लेकिन उन्हें ऊपर से रोककर रखा गया था। हम आज सुबह 11:00 या 11:30 बजे यहां पहुंचे थे। हम इतने समय से यहीं हैं। अब लगभग पौने सात बज रहे हैं, और अभी जाकर FIR दर्ज हुई है। राहुल ने कहा, आखिरी मंजूरी, यानी फाइनल 'ओके', गृह सचिव और खुद अमित शाह से मिलनी थी। उसके बाद ही FIR दर्ज हो पाई। तो, आप समझ सकते हैं कि FIR को कौन रोक रहा था।

अलर्ट : हिमाचल में अब तक 219 मौतें, राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 40डिग्री पार

एमपी-यूपी की सात नदियां खतरे के निशान से ऊपर

■ हिमाचल के 4 जिलों में येलो अलर्ट, 128 सड़कें बंद

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। नर्मदा, मंदाकिनी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

वहीं, उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। गंगा, घाघरा, शारदा, टोंस, सोन और मंदाकिनी नदी खतरे के निशान को पार कर गई हैं।

हिमाचल प्रदेश में इस मानसून के दौरान बारिश, लैंडस्लाइड, बाढ़ और अन्य घटनाओं में 219 लोगों की मौत हुई है। इनमें सबसे ज्यादा 131 मौतें सड़क दुर्घटनाओं में हुईं। हिमाचल प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए चार जिलों में मध्यम बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही प्रदेश में 27 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया गया है। बिलासपुर, चंबा, कांगड़ा और मंडी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

■ उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में गर्भवती महिला को चारपाई पर लिटाकर लोगों ने नाला पार कराया।

स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (SEOC) के मुताबिक, शुक्रवार सुबह तक प्रदेश में 128 सड़कें यातायात के लिए बंद थीं। मंडी में सबसे ज्यादा 52 सड़कें बंद हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

यूपी के 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात

यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। गंगा और घाघरा समेत 6 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। एक लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी बाजार तक पहुंच गया है। सड़कों पर नावें चल रही हैं। गुप्त गोदावरी की दोनों गुफाएं पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई।

> राजस्थान में पिछले कुछ दिनों से ज्यादातर इलाकों में बारिश नहीं होने के कारण गुरुवार को श्रीगंगानगर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

भोजशाला के पास पांच सौ नमाजियों ने अदा की नमाज

दोनों समुदायों की एंट्री-एग्जिट अलग

तैनाती

तमसा संकेत, एजेंसी

धार । धार में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला से सटे खसरा नंबर 612 पर मुस्लिम समुदाय ने जुमे की नमाज अदा की। यह नई व्यवस्था के तहत चौथा शुक्रवार है। इस बार नमाजियों की संख्या पिछले शुक्रवारों से अधिक रही। करीब 400 से 500 नमाजी निर्धारित स्थान पर पहुंचे। मुख्य द्वार तक नमाजियों की भीड़ रही। नमाज को लेकर प्रशासन ने कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे। भोजशाला और नमाज स्थल, दोनों तरफ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। नमाज स्थल के चारों तरफ बैरिकेडिंग की गई। पूरे इलाके को सफेद पर्दों से कवर कर दिया गया, ताकि कहीं से भी कोई प्रवेश न कर सके।

■ हिंदू संगठनों ने भी किया हनुमान चालीसा पाठ
■ समिति के संरक्षक बोले- हमें सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा का अधिकार

» (शेष पेज 06 पर)

यूपी के 13 जिलों में बाढ़, बाजार में नावें चलीं

जलमग्न

मंत्री बाढ़ प्रभावितों से मिलने ट्रैक्टर से पहुंचे, 65 जिलों में बारिश का अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। गंगा और घाघरा समेत 6 नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। 13 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। एक लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी बाजार तक पहुंच गया है। सड़कों पर नावें चल रही हैं। गुप्त गोदावरी की दोनों गुफाएं पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई हैं। बहराइच के कई गांव जलमग्न हैं। गुरुवार को मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने ट्रैक्टर पर बैठकर बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। लोगों से मिलकर उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। प्रयागराज में गंगा-यमुना उफान पर हैं।

संभल में बारिश के बाद मौसम बदला, सड़कों पर पानी भरा

संभल और आसपास के इलाकों में बारिश के बाद मौसम बदल गया। करीब एक घंटे बाद धूप निकल आई, लेकिन हवाएं चलने से मौसम सुहावना बना हुआ है। तापमान 30°C दर्ज किया गया, जबकि AQI 163 रहा। बहजोई ब्लॉक के करीब एक दर्जन गांवों में घंटेभर बारिश हुई, जहां 5 मिमी बारिश दर्ज की गई।

मिर्जापुर में गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा बाढ़ की आशंका

मिर्जापुर में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार सुबह 8 बजे ओझला ब्रिज स्थित केंद्रीय जल आयोग के गेज पर जलस्तर 74.130 मीटर दर्ज किया गया। पिछले 12 घंटे में गंगा का पानी 32 सेंटीमीटर बढ़ा है। फिलहाल जलस्तर 2.666 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है।

लगातार बढ़ते जलस्तर से नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों को बाढ़ की आशंका सताने लगी है। प्रशासन और संबंधित विभाग नदी के जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं।

> लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार बंगाल की खाड़ी से नम हवाएं आ रही हैं। इसका असर यूपी में पड़ रहा है। 25 अगस्त तक रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

बदायूं में गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रहीं, प्रशासन अलर्ट

बदायूं में गंगा का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा और बढ़ गया है। शुक्रवार को कछला में गंगा का जलस्तर 162.48 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 162.40 मीटर से 8 सेंटीमीटर ऊपर है।

नदी का पानी बढ़ने से तटवर्ती गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। शुक्रवार रात नरौरा से 1,34,584 क्यूसेक, बिजनौर से 1,18,978 क्यूसेक और हरिद्वार से 96,491 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, 2 की मौत

25 से ज्यादा घायल, धान की रोपाई करने जा रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ट्रॉली में सवार दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि करीब 20 मजदूर घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर के सामने अचानक एक बाइक आ गई। बाइक को बचाने के चक्कर में चालक ने नियंत्रण खो दिया।

ट्रैक्टर डिवाइडर से टकराया और ट्रॉली समेत पलट गया। हादसे के बाद ट्रॉली में सवार मजदूरों में चीख-पुकार मच गई। करीब 30 लोग ट्रॉली के नीचे दब गए। हादसा होते ही आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बचाव कार्य शुरू कर ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने

घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया। पुलिस ने दोनों महिलाओं के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही हादसे की जांच शुरू कर दी है। हादसा शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के प्रयागराज-रीवा हाईवे (NH-30) पर सुरवल साहनी के पास हुआ।

पुलिस के मुताबिक, बारा के सोनरा गांव से करीब 42 मजदूर धान की रोपाई करने शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के सुरवल गांव जा रहे थे। दोनों गांवों के बीच करीब 5 किलोमीटर की दूरी है। सभी मजदूर ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर खेतों में काम करने के लिए निकले थे।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर महानगर की सूची ने बढ़ाई क्षेत्रीय पदाधिकारियों की चिंता

गोरखपुर । भाजपा की गोरखपुर महानगर कार्यकारिणी की नई सूची ने क्षेत्रीय टीम के पदाधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। महानगर की पिछली टीम के 81% पदाधिकारियों को इस बार जगह नहीं मिली है। अब इसी तरह के बदलाव की आशंका क्षेत्रीय टीम में भी जताई जा रही है। क्षेत्रीय टीम की घोषणा जल्द होने की चर्चा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में 2 घंटे सफाई देते रहे नगर आयुक्त

प्रयागराज । प्रयागराज में बारिश के बाद शहर में 5 फीट तक हुए जलभराव को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा को निर्देश दिया कि अगले 24 घंटे में शहर के निचले इलाकों से जलभराव खत्म कराएं। जहां भी पानी भरा है, वहां पर्याप्त संख्या में वाटर पंप लगाकर तत्काल पानी निकाला जाए। कोर्ट ने नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा से प्रभावित इलाकों की तत्काल कार्ययोजना तैयार कर अगली सुनवाई में पेश करने को कहा है।

भिखारिन के वेश में घर में घुसी महिला

कैम्पियरगंज। गोरखपुर के पीपीगंज नगर पंचायत के वार्ड-11 बापू नगर में शुक्रवार दोपहर भिखारिन के वेश में एक महिला घर में घुस गई। घर में रखे लाखों रुपये के जेवरात से भरा बैग लेकर वह फरार हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। घटना गोरखपुर-सोनौली मार्ग पर भगवानपुर चौराहे के पास डॉ. परेश कुमार विश्वास के घर हुई।

जंगली बंदरों का आतंक

बुजुर्ग को काटकर किया घायल बंदरों के हमलों से ग्रामीणों में दहशत

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के बंभनावा गांव में इन दिनों जंगली बंदरों के आतंक से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। बंदर आए दिन ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। शुक्रवार को भी एक 65 वर्षीय बुजुर्ग पर बंदर ने अचानक हमला कर दिया और काटकर घायल कर दिया। घटना के बाद परिजन आनन-फानन में घायल बुजुर्ग को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सूरतगंज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया।

जानकारी के अनुसार बंभनावा गांव निवासी संतराम शुक्ला पुत्र जगदीश प्रसाद, उम्र करीब 65 वर्ष, शुक्रवार को अपने घर के पास लगे नल पर पानी पीने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक एक बंदर वहां पहुंच गया और संतराम शुक्ला पर हमला कर दिया। इससे पहले कि वह संभल पाते, बंदर ने उन्हें काटकर घायल कर दिया। बुजुर्ग के शोर मचाने पर आसपास मौजूद परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद किसी तरह उन्हें बंदर से बचाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन घायल संतराम शुक्ला को उपचार के लिए सीएचसी सूरतगंज ले गए। यहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य बताई गई, जिसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें घर भेज दिया।

ग्रामीण राजेश, सूरज, हरिओम समेत अन्य लोगों ने बताया कि बंभनावा गांव में बंदरों का आतंक लंबे समय से बना हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक, इससे पहले भी उक्त बंदर कई लोगों पर हमला कर चुका है। बंदरों के अचानक घरों में घुसने और लोगों पर झपटने की घटनाओं से ग्रामीणों में लगातार डर बना हुआ है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को लेकर ग्रामीण अधिक चिंतित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते बंदर को पकड़कर जंगल में नहीं छोड़ा गया तो आने वाले दिनों में कोई बड़ी घटना हो सकती है।

कमरा अंदर से बंद था, दरवाजा तोड़कर घुसी मध्य प्रदेश पुलिस

सरकारी गेस्ट हाउस में मिली अफसर की लाश

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी । बाराबंकी के रहने वाले सीनियर इनकम टैक्स ऑफिसर की मध्य प्रदेश में गुरुवार रात मौत हो गई। उनकी कटनी में बंद कमरे में लाश मिली है। वह आयकर विभाग के रेस्ट हाउस में ठहरे थे। बिस्तर पर शव पड़ा था। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शरीर पर चोट के निशान भी नहीं हैं। घटनास्थल माधवनगर के बरगवां में है।

माधवनगर पुलिस सूचना पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर गई। वहां कमरे में बेड पर अधिकारी अचेत पड़े थे। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान वरिष्ठ आयकर अधिकारी मानवेंद्र प्रताप सिंह के

मानवेंद्र प्रताप सिंह, मृतक

रूप में की गई है। वह मूलरूप से बाराबंकी के निलालडिया असंदा के रहने वाले विजेंद्र प्रताप सिंह के बेटे थे। कटनी में उनकी पोस्टिंग थी। माधवनगर पुलिस के मुताबिक, सुबह सरकारी ड्राइवर मानवेंद्र प्रताप सिंह के कमरे पर कार की चाबी लेने पहुंचा था। उसने कई बार बेल बजाई और दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। काफी देर तक कमरे से कोई हलचल नहीं हुई। इस दौरान कर्मचारियों को अनहोनी की आशंका हुई। कर्मचारियों ने

> पुलिस की शुरुआती जांच में कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। अधिकारी के शरीर पर चोट के कोई निशान भी नहीं मिले हैं। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण साइलेंट अटैक माना जा रहा है, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

फौरन पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही माधवनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर अधिकारी बिस्तर पर अचेत अवस्था में पड़े मिले। मानवेंद्र प्रताप सिंह की पोस्टिंग 2024-25 में आयकर विभाग के कटनी कार्यालय में हुई थी। जॉइनिंग के बाद से वह बरगवां स्थित विभागीय गेस्ट हाउस में ही रह रहे थे। शादीशुदा थे। उनका परिवार बाराबंकी में रहता है और वह कटनी में अकेले रह रहे थे।

ढाई घंटे में दीवार और धर्मकांटा गिराया, मंदिर कमेटी ने शिकायत की थी

मंदिर की जमीन पर चला बुलडोजर

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल । संभल में निर्माणाधीन चामुंडा देवी मंदिर की जमीन पर अवैध निर्माण को प्रशासन ने बुलडोजर से ढहा दिया। शुक्रवार दोपहर SDM पुलिसकर्मियों और टीम के साथ पहुंचे। अतिक्रमण हटाने के लिए 1 बजे से शुरू हुई कार्रवाई 3.30 तक चली।

दो मंजिला धर्मकांटा और 100 मीटर लंबी दीवार अवैध तरीके से बनी थी। इसकी वजह से मंदिर निर्माण में दिक्कत आ रही थी। मंदिर कमेटी ने इसकी शिकायत की थी। तहसीलदार कोर्ट के आदेश के बाद आज ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई। मामला हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र का है।

एसडीएम विकास चंद्र, तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह, नायब तहसीलदार शुभम प्रताप सिंह और कानूनगो अमीचन्द कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंचे। इनके अलावा 7 लेखपाल पुष्पेंद्र कुमार, आमोद कुमार, नितिन शर्मा, स्पर्श गुप्ता, गुन्नू बाबू, रोहित कुमार और मुकेश कुमार यादव भी टीम में शामिल रहे। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए नायब तहसीलदार शुभम प्रताप सिंह को प्रभारी बनाया गया था। नगर पंचायत सिरसी की ओर से मजदूर, ट्रैक्टर-ट्रॉली और जेसीबी मशीन उपलब्ध कराई गई।

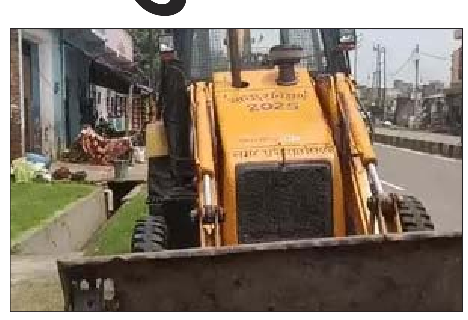

मंदिर कमेटी की शिकायत पर जारी हुआ था नोटिस

एसडीएम विकास चंद्र ने बताया कि तहसील संभल के थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र की नगर पंचायत सिरसी में चामुंडा देवी मंदिर का निर्माण हो रहा है। मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत मंदिर कमेटी ने की थी। इसके बाद तहसीलदार न्यायालय ने कथित अवैध कब्जेदार मंजर खां को नोटिस जारी किया था।

सुनवाई के बाद 13 मार्च को न्यायालय ने बेदखली का आदेश दिया। इसके खिलाफ जिलाधिकारी न्यायालय में अपील की गई, जिसे 24 जुलाई को खारिज कर दिया गया। इसके बाद प्रशासन के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की।

बीएचयू के बिरला-ए छात्रावास में अव्यवस्था

वाराणसी । काशी हिंदू विश्वविद्यालय के छात्र शुक्रवार को शाम 5 बजे हॉस्टल के बाहर किताब, बैग और कपड़े लेकर धरने पर बैठ गए। ये छात्र बिरला ए छात्रावास की अव्यवस्थाओं से नाराज हैं। छात्रों के हाथों में छात्रावास की अव्यवस्थाओं से जुड़ी 50 से अधिक तस्वीरें थीं।

धरने पर बैठे छात्रों ने आरोप लगाया कि हॉस्टल में लंबे समय से कई समस्याएं बनी हुई हैं। छात्र करीब एक साल से इन समस्याओं को लेकर शिकायत कर रहे हैं, लेकिन अब तक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। एक छात्र ने अपनी किताब और नोट्स दिखाते हुए कहा कि इन्हें दीमक ने खराब कर दिया है। छात्रों का कहना है कि पढ़ाई के लिए जरूरी सामान खराब होने के बावजूद उनकी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। छात्रों ने आरोप लगाया कि समस्याओं को लेकर आवाज उठाने पर उन्हें हॉस्टल से बाहर निकलवाने की धमकी भी दी जाती है।

अस्पताल की लापरवाही से जुड़वां बच्चों की मौत

सड़क जाम के बाद अस्पताल सील

तमसा संकेत, एजेंसी

सोरांव । सोरांव क्षेत्र के अकारीपुर गांव स्थित एक अस्पताल में कथित लापरवाही के कारण जुड़वां नवजात बच्चों की मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने सोरांव-कलंदरपुर मार्ग पर चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए अस्पताल को सील कर दिया है और संचालिका समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस ने अस्पताल संचालिका सुमन, डॉक्टर रोहित और 4-5 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बच्चों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।परिजनों ने बताया कि फूल चंद्र की पुत्री आरती को प्रसव पीड़ा होने पर अकारीपुर के इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

परिवार के अनुसार, गर्भावस्था की शुरुआत से लेकर अंत तक सभी जांचें इसी अस्पताल में हुई थीं और डॉक्टरों ने सामान्य प्रसव का आश्वासन दिया था।

हालांकि, प्रसव के समय अस्पताल प्रशासन ने स्थिति गंभीर बताते हुए सामान्य प्रसव से इनकार कर दिया और ऑपरेशन की सलाह दी। इसके बाद प्रसूता को तुरंत प्रयागराज के राजापुर स्थित एक अन्य निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया।राजापुर के अस्पताल में डिलीवरी के दौरान पहला बच्चा मृत पैदा हुआ।

कार्रवाई : नालों और सरकारी जमीनों से कब्जे हटाए जाएंगे, डीएम ने 7 दिन में मांगी रिपोर्ट

प्रयागराज को डूबने से बचाने के लिए बुलडोजर चलेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में बारिश के बाद जलभराव से जूझ रहे शहर में अब अवैध कब्जों पर कार्रवाई होगी। जार्ज टाउन, टैगोर टाउन, अल्लापुर, करेली और मुंडेरा समेत कई इलाकों में जलभराव के बाद प्रशासन ने नालों और जलनिकासी मार्गों पर हुए अतिक्रमण हटाने का फैसला लिया है। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने पीडीए, नगर निगम, नजूल और राजस्व विभाग के अधिकारियों को सरकारी नालों, राजकीय आस्थान और नजूल की जमीन पर हुए कब्जे चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। पूरी कार्रवाई की रिपोर्ट सात दिन में मांगी गई है।

डीएम ने पीडीए उपाध्यक्ष, नगर आयुक्त, अपर जिलाधिकारी (नजूल), नगर मजिस्ट्रेट और सदर एसडीएम को कार्रवाई की जिम्मेदारी दी है। अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सरकारी नालों, राजकीय आस्थान और नजूल की जमीन पर हुए अवैध कब्जे चिह्नित करेंगे। इसके बाद संबंधित कब्जेदारों के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर जलनिकासी का रास्ता खोलने के निर्देश दिए गए हैं।

> प्रशासन का फोकस सिर्फ अतिक्रमण हटाने तक सीमित नहीं रहेगा। जहां कब्जे के कारण नाले या जलनिकासी का रास्ता बंद हुआ है, वहां उसे अवरोधमुक्त कराया जाएगा। इससे बारिश के पानी की निकासी सुचारु हो सकेगी।

डीएम ने पुलिस उपायुक्त नगर को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा है। अपर जिलाधिकारी (नगर) को संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्रवाई कराने और इसकी आख्या जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

नालों पर कब्जे से रुका पानी का रास्ता

पिछले करीब एक सप्ताह से शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई थी। कई जगह बारिश का पानी निकल नहीं पा रहा था। प्रशासन की पड़ताल में सामने आया कि कुछ स्थानों पर पुराने नालों और जलनिकासी से जुड़ी सरकारी जमीन पर कब्जा कर निर्माण कराया गया है। इससे पानी के बहाव का रास्ता बाधित हो गया।

अतिक्रमण के कारण कई नालों तक सफाई के लिए पहुंचना भी मुश्किल हो रहा था। नालों का प्रवाह बाधित होने से बारिश का पानी तेजी से नहीं निकल सका। इसका सीधा असर रिहायशी इलाकों पर पड़ा और जलभराव की समस्या गंभीर हुई।

बकरी को बचाने में पलटा ऑटो चालक की इलाज के दौरान मौत

महादेवा चौकी के पास हुआ हादसा, गंभीर हालत में जिला अस्पताल कराया गया था रेफर

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर थाना क्षेत्र में महादेवा चौकी के पास बृहस्पतिवार को अचानक सड़क पर आई बकरी को बचाने के प्रयास में एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसका जिला अस्पताल में उपचार के दौरान शुक्रवार को चालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, रामनगर थाना क्षेत्र की कजियापुर ग्राम पंचायत के चैनपुरवा गांव निवासी 35 वर्षीय विक्रम पुत्र रामकिशुन ऑटो रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बृहस्पतिवार को वह ऑटो लेकर महादेवा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान महादेवा चौकी के पास

अचानक एक बकरी सड़क पर आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बकरी को बचाने के लिए विक्रम ने ऑटो को अचानक दूसरी दिशा में मोड़ने का प्रयास किया। इसी दौरान ऑटो का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक विक्रम को गंभीर चोटें आईं। ऑटो पलटते ही मौके पर आसपास के लोग एकत्र हो गए और घायल चालक को वाहन से बाहर निकालकर तत्काल उपचार के लिए भेजने की व्यवस्था की। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से विक्रम को सीएचसी रामनगर ले जाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां उपचार के दौरान विक्रम ने दम तोड़ दिया। विक्रम की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में मातम छा या। अचानक सामने आया जानवर बना हादसे का कारण हादसे को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर अक्सर आवारा पशु अचानक सामने आ जाते हैं।

सड़क सुरक्षा अभियानों का दिखा असर, अब स्कूली वाहनों की फिटनेस से लेकर ब्लैक स्पॉट तक होगी कड़ी निगरानी

सड़क हादसों पर लगा ब्रेक !

समीक्षा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे प्रयासों का असर अगस्त में दिखाई दिया है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अगस्त माह में सड़क दुर्घटनाओं में करीब 30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति और जिला विद्यालययान सुरक्षा समिति की बैठक में दुर्घटनाओं की स्थिति और रोकथाम के उपायों की समीक्षा की गई। प्रशासन का लक्ष्य है कि दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद एंबुलेंस करीब पांच मिनट में मौके पर पहुंचे और घायल को जल्द नजदीकी चिकित्सा इकाई तक पहुंचाया जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि एंबुलेंस में जरूरी दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इनकी नियमित जांच और निगरानी भी की जा रही है। डीएम ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी का सिलसिला बनाए रखने के लिए सभी संबंधित विभागों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने दुर्घटना रोकने से जुड़े उपायों को प्राथमिकता के साथ लागू करने और उनकी प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेंद्र कुमार, एआरटीओ सत्येंद्र यादव, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सौरभ सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक, क्षेत्राधिकारी यातायात समेत समिति के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

ब्लैक स्पॉट के तीन किमी दायरे में एंबुलेंस

दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों यानी ब्लैक स्पॉट को चिह्नित कर उनके तीन किलोमीटर के दायरे में एंबुलेंस के बेस लोकेशन बनाए गए हैं। एक्सप्रेसवे और हाईवे के आसपास भी एंबुलेंस के बेस तय किए गए हैं।

30 फीसदी कमी, फिर भी रोकथाम पर फोकस

क्षेत्राधिकारी यातायात ने बैठक में दुर्घटनाओं में आई कमी की जानकारी दी। बताया गया कि यातायात नियमों को लेकर चलाए गए जागरूकता अभियान और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों का असर सामने आया है। डीएम ने दुर्घटनाओं में कमी को सकारात्मक परिणाम बताते हुए रोकथाम के उपायों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा से जुड़े विभागों को समन्वय के साथ काम करने को कहा।

जिलाधिकारी ने एआरटीओ को सभी स्कूली वाहनों की नियमानुसार शत-प्रतिशत फिटनेस जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयी वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने को कहा।

एआरटीओ ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों पर हुई कार्रवाई की जानकारी भी दी।

शिवबाबा धाम में आज 312 जोड़े लेंगे सात फेरे सामूहिक विवाह की तैयारी पूरी

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत आयोजन हर जोड़े पर एक लाख रुपये खर्च करेगी सरकार

- हर जोड़े के लिए एक लाख रुपये का प्रावधान
- शिवबाबा धाम में तैयार मंच, सुरक्षा भी रहेगी
- 312 जोड़ों के विवाह की तैयारी पूरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शनिवार को शिवबाबा धाम में 312 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया जाएगा। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधेंगे। आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े पर सरकार की ओर से एक लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें से 64 हजार रुपये नवविवाहित जोड़े के बैंक खाते में सीधे भेजे जाएंगे।

वहीं, 22 हजार रुपये की वैवाहिक उपहार सामग्री प्रत्येक जोड़े को दी जाएगी। बाकी राशि आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं पर खर्च की जाएगी। समारोह स्थल पर वर-वधू और उनके परिजनों के बैठने की व्यवस्था की गई है। स्वच्छ पेयजल, सुरक्षा और चिकित्सा सुविधाओं को भी अंतिम रूप दिया गया है। सीडीओ आनंद शुक्ला ने बताया कि समारोह की तैयारियां निर्धारित समय पर पूरी कर ली गई हैं। योजना के अनुसार 312 जोड़ों का विवाह विधि-विधान से कराया जाएगा। प्रशासन की ओर से कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। वर-वधू के परिजनों की मौजूदगी को देखते हुए आयोजन स्थल पर आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।

फास्ट न्यूज

24 अगस्त को लगेगा रोजगार मेला

अंबेडकरनगर। बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर देने के लिए मिशन रोजगार के तहत 24 अगस्त को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला राजकीय आईटीआई परिसर में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी ने बताया कि मेले में देश और प्रदेश की निजी क्षेत्र की कंपनियां अभ्यर्थियों के चयन के लिए प्रतिभाग करेंगी।

कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यालय में श्रद्धांजलि

अंबेडकरनगर। पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में श्रद्धांजलि सभा हुई। भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। जिला महामंत्री बाबा राम शब्द यादव और विमलेंद्र प्रताप सिंह मोनू ने कल्याण सिंह के सार्वजनिक जीवन और मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यों को याद किया।

त्योहारों से पहले आलापुर पुलिस अलर्ट

अंबेडकरनगर। आगामी त्योहारों को लेकर आलापुर पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक हुई। इसमें क्षेत्र के धर्मगुरुओं और संभ्रांत लोगों के साथ त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। बैठक में त्योहारों के दौरान सौहार्द और शांति बनाए रखने पर जोर दिया गया।

जेटली कॉलेज में संस्थापक दिवस पर शिक्षा के साथ खेल प्रतिभाओं को सम्मान

डॉ. गणेश कृष्ण जेटली की प्रतिमा पर हुआ माल्यार्पण

तमसा संकेत, संवाददाता

- मंडलीय फुटबॉल टीम में चयनित छात्राओं को मिली खेल किट

अंबेडकरनगर। शहजादपुर अकबरपुर स्थित डॉ. गणेश कृष्ण जेटली इंटर कॉलेज में शुक्रवार को संस्थापक दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्थापक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डॉ. गणेश कृष्ण जेटली के शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को याद किया गया। इसी अवसर पर मंडलीय फुटबॉल टीम के लिए चयनित विद्यालय की छात्राओं को खेल किट देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंधक रमेश प्रभा जेटली ने की। विद्यालय परिवार ने संस्थापक की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित किए। उनके शिक्षा के प्रति समर्पण और विद्यार्थियों के विकास के लिए किए गए प्रयासों को याद किया गया।

प्रबंधक रमेश प्रभा जेटली ने कहा कि डॉ. गणेश कृष्ण जेटली ने शिक्षा को समाज के विकास का महत्वपूर्ण माध्यम माना। उनके द्वारा स्थापित संस्था आज भी शिक्षा से जुड़े मूल्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। प्रधानाचार्य डॉ. विनय कुमार ने कहा कि संस्थापक किसी भी शिक्षण संस्था की विचारधारा और मूल्यों की आधारशिला होता है। डॉ. गणेश कृष्ण जेटली के विचार विद्यालय के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

संस्थापक दिवस पर विद्यालय की उन छात्राओं को खेल किट प्रदान की गई, जिनका माध्यमिक विद्यालयों की फुटबॉल प्रतियोगिता में मंडलीय टीम के लिए चयन हुआ है।

85.52 मीटर पर पहुंचा नदी का जलस्तर, खतरे के निशान से सिर्फ 4 सेंटीमीटर नीचे

घाघरा का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचा

- डीएम की अपील: नदी किनारे न जाएं, सावधानी बरतें
- हर बदलाव पर प्रशासन की नजर
- जरूरत पड़ने पर निर्देशों का करें पालन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। घाघरा/सरयू नदी का जलस्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया है। शुक्रवार सुबह आठ बजे टांडा पंप नहर, महरीपुर में नदी का जलस्तर 85.52 मीटर दर्ज किया गया। खतरे का निशान 85.56 मीटर है। जलस्तर खतरे के निशान से महज 0.04 मीटर नीचे है।

हालांकि पिछले दिन की तुलना में नदी का जलस्तर घट रहा है, लेकिन स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने निगरानी बढ़ा दी है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने नदी और निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोग नदी किनारे, जलभराव वाले क्षेत्रों और तेज बहाव वाले स्थानों पर अनावश्यक रूप से न जाएं। बच्चों और बुजुर्गों को नदी व तेज बहाव वाले क्षेत्रों से दूर रखने की अपील भी की गई है। जलभराव वाले स्थानों पर खुले विद्युत तारों और बिजली के उपकरणों से दूरी बनाए रखने को कहा गया है। प्रशासन की ओर से घाघरा/सरयू नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। संबंधित विभागों को भी आवश्यक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और प्रशासन की अधिकृत सूचनाओं पर ही भरोसा करने को कहा है। आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचना देने की अपील की गई है। प्रशासन की ओर से रेस्क्यू, सुरक्षित स्थानों पर जाने या निकासी से संबंधित निर्देश जारी किए जाने पर उनका पालन करने को कहा गया है। अधिकारियों का फोकस नदी के जलस्तर में होने वाले बदलाव और निचले क्षेत्रों की स्थिति पर बना हुआ है।

स्ट्रांग रूम पर डीएम की नजर, ईवीएम-वीवीपैट की सुरक्षा व्यवस्था परखी

मासिक निरीक्षण में सभी लॉक मिले यथावत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम और वीवीपैट वेयरहाउस के स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को शुक्रवार को परखा गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया ने निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत स्ट्रांग रूम का मासिक बाह्य निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान ईवीएम और वीवीपैट रखे कक्षों के लॉक की स्थिति देखी गई। सभी लॉक यथावत पाए गए। स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की गई। कैमरे नियमानुसार संचालित और सुरक्षित मिले।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को स्ट्रांग रूम की सभी व्यवस्थाएं निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार नियमित रूप से सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को बनाए रखने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी महेश चंद्र द्विवेदी, परियोजना निदेशक एवं ईवीएम प्रभारी कार्तिकेय मिश्रा सहित संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे।

12 केंद्रों पर तैनात रहेंगे मजिस्ट्रेट, 10 से 12 बजे तक होगी स्नातक स्तरीय मुख्य परीक्षा

23 अगस्त की यूपीएसएसएससी परीक्षा पर प्रशासन की कड़ी नजर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। यूपीएसएसएससी की सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा (स्नातक स्तरीय) मुख्य परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। परीक्षा 23 अगस्त को सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक जिले के 12 निर्धारित केंद्रों पर होगी। परीक्षा की व्यवस्था को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों, स्टेटिक मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट को आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों पर आयोग और शासन के सभी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा गया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु ने बताया कि हर परीक्षा केंद्र पर एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट और एक सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किया गया है। ड्यूटी में लगाए गए अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों की जानकारी भी दी गई। परीक्षा की गोपनीय सामग्री के सुरक्षित परिवहन और रख-रखाव पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। सेक्टर मजिस्ट्रेट निर्धारित समय पर कोषागार पहुंचकर सामग्री प्राप्त करेंगे और उसे संबंधित परीक्षा केंद्र तक सुरक्षित पहुंचाएंगे। जिलाधिकारी ने परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन ढंग से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेंद्र कुमार, आयोग के समन्वयी पर्यवेक्षक व सहायक समन्वयी पर्यवेक्षक, परीक्षा संचालन एवं सुरक्षा से जुड़े कार्मिक, केंद्र व्यवस्थापक, स्टेटिक मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।

परीक्षार्थियों के लिए प्रवेश समय को लेकर सख्त निर्देश दिए गए हैं। सुबह 9:30 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

प्रवेश के समय परीक्षार्थियों की जांच की जाएगी। केंद्रों पर अनुशासन और समयबद्धता बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए हैं।

परीक्षा से पहले परखी जाएंगी मूलभूत सुविधाएं

जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर प्रकाश, स्वच्छ पेयजल, बैठने की व्यवस्था, साफ-सफाई और सुरक्षा समेत सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा। केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा शुरू होने से पहले व्यवस्थाओं का निरीक्षण पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी समस्या की स्थिति में संबंधित अधिकारियों को तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचना देने को कहा गया है।

स्कूलों के दरवाजे खुले, लेकिन पढ़ाई के समय नहीं होगी दखल

अभिभावक, एसएमसी सदस्य और स्थानीय ग्रामीण ले सकेंगे व्यवस्थाओं की जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। परिषदीय विद्यालयों में बाहरी लोगों के प्रवेश को लेकर जारी आदेश में बीएसए डॉ. पूनम मिश्रा ने संशोधन कर दिया है। अब अभिभावक, स्कूल प्रबंध समिति (एसएमसी) के सदस्य और स्थानीय ग्रामीण विद्यालय की व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के लिए स्कूल में प्रवेश कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें केवल बाहरी व्यक्ति होने के आधार पर नहीं रोका जाएगा।

हालांकि, प्रवेश के दौरान कक्षा में चल रही पढ़ाई प्रभावित नहीं होनी चाहिए। बीएसए कार्यालय ने इस संबंध में 20 अगस्त को संशोधित आदेश जारी किया है।

इससे पहले 17 अगस्त को जारी आदेश में शिक्षण अवधि के दौरान अभिभावकों को छोड़कर अन्य बाहरी लोगों के विद्यालय में प्रवेश पर रोक लगाई गई थी। बीएसए कार्यालय को जानकारी मिली थी कि कुछ बाहरी व्यक्ति, यूट्यूबर और अन्य लोग शिक्षण अवधि में बिना अनुमति विद्यालयों में पहुंच रहे थे। विद्यालय और कर्मचारियों के फोटो-वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किए जाने की बात भी सामने आई थी। कार्यालय के अनुसार, इससे पठन-पाठन के साथ विद्यालय के शैक्षिक और भौतिक वातावरण पर असर पड़ रहा था। संशोधित आदेश में अभिभावकों, एसएमसी सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों को विद्यालय की व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के लिए प्रवेश की अनुमति दी गई है। लेकिन उनकी मौजूदगी से शिक्षण कार्य में किसी तरह की बाधा नहीं आनी चाहिए। यानी स्कूल की व्यवस्थाएं देखने की अनुमति है, कक्षा संचालन में हस्तक्षेप की नहीं। आदेश में विद्यालय आने वाले लोगों से जुड़े दो अहम बिंदु भी स्पष्ट किए गए हैं। किसी भी स्थिति में शिक्षकों की गरिमा प्रभावित नहीं होनी चाहिए और छात्र-छात्राओं की निजता व उनके कल्याण का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। बीएसए ने सभी संबंधित अधिकारियों और विद्यालयों को संशोधित आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बाकी प्रावधान पूर्व आदेश के अनुसार लागू रहेंगे।

अचानक स्कूल पहुंचे डीआईओएस दो इंटर कॉलेजों में परखी व्यवस्थाएं

सफाई से लेकर पढ़ाई तक का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

- विद्यालय में सफाई और पढ़ाई पर फोकस
- प्रोजेक्ट अलंकार की प्रगति जानी
- राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों से ऑनलाइन संवाद

अंबेडकरनगर। जिला विद्यालय निरीक्षक कौस्तुभ कुमार सिंह ने गुरुवार को जिले के दो सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। अचानक पहुंचे डीआईओएस ने महत्मा गोविंद साहब इंटर कॉलेज दुल्हूपुर और सुभाष राष्ट्रीय इंटर कॉलेज सैदही में व्यवस्थाओं को देखा।

निरीक्षण के दौरान विद्यालयों की साफ-सफाई व्यवस्था पर जोर दिया गया। डीआईओएस ने गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक व्यवस्था बनाए रखने को कहा। डीआईओएस ने प्रोजेक्ट अलंकार योजना की प्रगति की जानकारी ली। योजना से जुड़े कार्यों की स्थिति के बारे में संबंधित लोगों से जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के बाद डीआईओएस ने राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों के साथ गूगल मीट के माध्यम से संवाद किया। उन्होंने विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक माहौल तैयार करने और विद्यार्थियों की पढ़ाई पर प्रभावी ढंग से ध्यान देने पर जोर दिया।

कार्रवाई : 29.2 किलो गांजा बरामद, अलीगंज पुलिस की चेकिंग में चार आरोपी गिरफ्तार

ओवरब्रिज के नीचे कार रोकते ही खुला राज

- 28 पैकेट मिले कार और तीन मोबाइल भी जब्त
- सुबह 7:30 बजे हुई कार्रवाई
- सोहनलाल पर पहले भी दर्ज हो चुके हैं दो मुकदमे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अलीगंज थाना क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस ने स्विफ्ट डिजायर कार से 29.200 किलोग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गांजा 28 पैकेट में रखा मिला। कार के अलावा तीन मोबाइल फोन और 670 रुपये नकद भी बरामद हुए हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम 21 अगस्त की सुबह करीब 7:30 बजे मोजनपुर से खासपुर जाने वाले मार्ग पर ओवरब्रिज के नीचे चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में गांजा मिलने के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बरामदगी के आधार पर अलीगंज थाने में मुकदमा संख्या 110/26 दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20/29/60 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी सोहनलाल राजभर का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ मालीपुर थाने में वर्ष 2023 में एनडीपीएस एक्ट और वर्ष 2022 में मारपीट, तोड़फोड़, गाली-गलौज व धमकी से संबंधित मुकदमा दर्ज है।

पुलिस के मुताबिक चारों गिरफ्तार आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय भेजा जा रहा है। बरामद गांजा, कार, मोबाइल फोन और नकदी को पुलिस ने कार्रवाई में शामिल किया है।

आजमगढ़ के तीन, अंबेडकरनगर का एक आरोपी

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विरेन्द्र राजभर उर्फ गुड्डू निवासी गौरी, थाना अहिरौला, आजमगढ़, सोहनलाल राजभर निवासी हुरपुर, थाना मालीपुर, अंबेडकरनगर, विनोद कुमार राजभर निवासी अकबेलपुर, थाना अतरौलिया, आजमगढ़ और दीपू कुमार निवासी खजूरी धनेज पट्टी, थाना अहिरौला, आजमगढ़ के रूप में हुई है।

छात्रावास में 16 छात्र मिले, अब डिजिटल लाइब्रेरी की तैयारी

सीडीओ के निरीक्षण में सामने आई छात्रों की जरूरतें

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नाउसांडा स्थित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास में शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में 16 छात्र मिले। अधीक्षक अमरजीत मौर्य भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान छात्रों ने छात्रावास में लाइब्रेरी और साइकिल स्टैंड की व्यवस्था कराने की जरूरत बताई। इस पर सीडीओ ने खंड विकास अधिकारी टांडा को डिजिटल लाइब्रेरी छात्रावास में शिफ्ट कराने के निर्देश दिए।

साइकिल स्टैंड के लिए शेड की व्यवस्था को लेकर डिमांड भेजने को भी कहा गया। छात्रावास में समूह की महिलाओं द्वारा छात्रों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है। सीडीओ ने बच्चों को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सीडीओ ने छात्रावास में रहने वाले बच्चों से बातचीत की और उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने छात्रों को नियमित पढ़ाई करने और लक्ष्य हासिल करने के लिए मेहनत करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान छात्रावास की सुविधाओं और छात्रों की आवश्यकताओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति

नीट-यूजी प्रश्न पत्र लीक होने के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र की मांग को लेकर काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से जो पांच सदस्यीय समिति गठित की गई, उसके बारे में यह स्पष्ट नहीं कि वह अपनी रिपोर्ट कब देगी। अच्छा होता कि इस समिति के लिए कोई समयसीमा तय की जाती। निःसंदेह इस मामले में किसी निष्पक्ष जांच समिति की आवश्यकता थी। इस आवश्यकता की ही पूर्ति सुप्रीम कोर्ट ने की। अब अच्छा यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट एवं हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीशों और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों से लैस यह समिति अपनी रिपोर्ट यथाशीघ्र दे, ताकि उन कारणों को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला समाप्त हो सके, जिनके चलते संसद मार्च में हिंसा हुई।

इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर सामने आना आवश्यक है कि क्या सीजेपी समर्थकों की भीड़ में हिंसा पर आमादा तत्व भी शामिल थे या फिर पुलिस ने अकारण आवश्यकता से अधिक बल प्रयोग किया? इन सवालों के जवाब तलाशते हुए सुप्रीम कोर्ट समिति यह भी स्पष्ट करे तो बेहतर कि क्या पुलिस को बिना अनुमति निकाले जा रहे सीजेपी के संसद मार्च को संसद परिसर जाने देना चाहिए था-और वह भी तब संसद का सत्र चल रहा था? यदि कहीं कोई भीड़ संसद या विधानसभा की ओर कूच कर रही हो तो पुलिस की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह उसे रोके। हाल में झारखंड में यही किया गया। किसी भीड़ को संसद या विधानसभा की ओर जाने से रोकने के लिए पुलिस कितना बल प्रयोग करे, इसे किसी समिति के लिए तय कर पाना कठिन है, भले ही वह कितनी भी उच्चाधिकार प्राप्त हो। यह तो मौके पर मौजूद पुलिस ही भीड़ के रुख-रवैये के आधार पर तय कर सकती है। ऐसे में उचित यही होगा कि यह समिति धरना-प्रदर्शन का प्रोटोकाल तय करे, जिसकी आवश्यकता का उल्लेख सुप्रीम कोर्ट ने किया था। इसकी अनदेखी न की जाए कि सुप्रीम कोर्ट समिति केवल सीजेपी और विपक्षी दलों के आरोपों की ही जांच नहीं करेगी। वह पुलिस पर हमला करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के आरोपों की भी जांच करेगी। ऐसा किया जाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि सीजेपी के साथ विपक्षी दलों ने एक ऐसा माहौल बनाया, मानो भीड़ ने कुछ नहीं किया, वह बिल्कुल शांत एवं संयमित थी और फिर भी पुलिस ने उस पर आंसू गैस के गोले दागे, लाठियां चलाईं और पैलेट गन का इस्तेमाल किया। ऐसा नहीं था, यह इससे सिद्ध होता है कि संसद मार्च के दौरान जहां पुलिस के बल प्रयोग से कई प्रदर्शनकारी चोटिल हुए, वहीं अनेक पुलिसकर्मी भी घायल हुए, क्योंकि भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़कर उन पर पथराव किया था।

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

> पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर "भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा" है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा। अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का "महत्वपूर्ण हिस्सा" कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-शृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-शृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतर-राष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है। फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है। गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है।

ललित गर्ग

राजनीतिक नजरिए...

अशोक भाटिया

सियासी चौराहे पर अखिलेश का पीडीए प्रयोग

उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से नए नारों, अनूठे सामाजिक गठबंधनों और चौंकाने वाले वैचारिक मोड़ों के लिए जानी जाती रही है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक बार फिर अपने चर्चित राजनीतिक सूत्र 'PDA' की एक नई और भावनात्मक व्याख्या पेश की है। अगस्त 2026 के इस सियासी माहौल में, जब सभी दल भविष्य की रणनीतियों को धार देने में जुटे हैं, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से घोषणा की कि PDA का असली और मूल भावनात्मक सिद्धांत दरअसल ₹प्रेम, दया और अपनापन₹ है। भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने तर्क दिया कि सत्ताधारी दल में पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को स्थान तो मिल सकता है, लेकिन सच्चा सम्मान नहीं मिल सकता, क्योंकि वहाँ इस भावनात्मक जुड़ाव की कमी है।

यह पहली बार नहीं है जब अखिलेश यादव ने अपने इस प्रिय नारे की री-ब्रांडिंग की है। अभी कुछ ही दिनों पहले, समाजवादी विचारक जनेश्वर मिश्र की जयंती के अवसर पर उन्होंने राजनीति के पंडितों को चौंकाते हुए कहा था कि PDA में 'PD' का एक अर्थ

'पंडित' भी है। उस समय उन्होंने 'P' से पीड़ित और पंडित, 'D' से दलित और 'A' से आधी आबादी (महिलाएं) तथा 'अच्छे अगड़े' को जोड़कर एक नया 'पंडित फॉर्मूला' या 'ब्राह्मण कार्ड' खेलने का प्रयास किया था। राजनीति के एक बेहद सधे हुए और आक्रामक नारे को अचानक इस तरह के भावनात्मक और सर्ववर्ण-समावेशी आवरण में लपेटने की यह कोशिश सहज नहीं दिखती। यह बदलाव उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी के भीतर चल रहे गहरे वैचारिक मंथन और साथ ही एक बड़ी रणनीतिक बेचैनी को भी रेखांकित करता है।

इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए हमें उस मूल राजनीतिक संदर्भ को याद करना होगा जहाँ से PDA का जन्म हुआ था। साल 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान अखिलेश यादव ने 'पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक' के तौर पर PDA का नारा उछाला था। यह नारा विशुद्ध रूप से जातिगत और धार्मिक पहचान पर आधारित एक ठोस सामाजिक ब्लॉक बनाने की कोशिश थी। इसने सपा के पारंपरिक यादव-मुस्लिम (Y-M) समीकरण का दायरा बढ़ाकर गैर-यादव पिछड़ी जातियों को एक मंच पर लाने का काम किया था। लेकिन राजनीति कभी एक जगह ठहरती नहीं है। 2024 की सफलता के बाद जैसे ही पार्टी आगामी राजनीतिक चुनौतियों की ओर बढ़ी, अखिलेश यादव को शायद इस बात का अहसास हुआ कि सिर्फ जातिगत ध्रुवीकरण के सहारे सत्ता तक नहीं पहुँचा जा सकता। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राजनीति हमेशा से जातियों के विभाजन से ऊपर उठकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र पर आधारित रही है। भाजपा ने बिना किसी भेदभाव के हर जाति, वर्ग और संप्रदाय को मुख्यधारा से जोड़ा है। उज्ज्वला योजना, राशन वितरण, पीएम आवास योजना और आयुष्मान भारत जैसे लोक-कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ बिना किसी जातिगत चश्मे के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचा है। यही कारण है कि अखिलेश यादव को अब अपनी केवल 'पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक' वाली संकीर्ण छवि से बाहर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और वे भाजपा की इसी सर्वसमावेशी विकास नीति की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं।

राजनीतिक नजरिए से देखें तो अखिलेश यादव का यह नया प्रयोग एक गंभीर वैचारिक अंतर्विरोध और राजनीतिक अवसरवाद को जन्म देता है। समाजवादी पार्टी पिछले लंबे समय से उत्तर प्रदेश से लेकर दिल्ली तक 'जाति जनगणना' और 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' के मुद्दे पर सबसे मुखर रही है। जाति जनगणना की मांग पूरी तरह से समाज को टुकड़ों में बांटने और सामाजिक विद्वेष फैलाने की राजनीति पर टिकी है। यह मांग मानती है कि समाज में संसाधनों और सत्ता का बंटवारा जातियों की आबादी के अनुपात में होना चाहिए, जो सीधे तौर पर समाज के एक बड़े वर्ग को अलग-थलग करने की कोशिश है।

भू-स्थानिक तकनीक से बुंदेलखंड और घाघरा क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई दिशा

बदलती जलवायु, प्राकृतिक आपदाओं और तेजी से बदलते भू-उपयोग के दौर में किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों और भौगोलिक परिस्थितियों की सटीक जानकारी अत्यंत आवश्यक हो गई है। नदियों के बदलते प्रवाह से लेकर भू-आकृतियों, जल निकासी, भूजल संभावनाओं और भूमि की संरचना तक, प्रत्येक घटक का वैज्ञानिक अध्ययन भविष्य की विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी और टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का वैज्ञानिक मानचित्रण और अध्ययन कर रहा है।

प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (आरसैक-यूपी) द्वारा घाघरा नदी की भू-आकृतिक गतिशीलता का व्यापक अध्ययन किया जा रहा है। वहीं बुंदेलखंड के झांसी, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर, फतेहपुर और जालौन जनपदों में जियोमॉर्फोलॉजी एवं लिनियामेंट मैपिंग का कार्य प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन और भविष्य की विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रहा है। इन दोनों परियोजनाओं में उपग्रह आंकड़ों, भू-स्थानिक सूचना प्रणाली, क्षेत्रीय सर्वेक्षण तथा आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

घाघरा उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण नदियों में से एक है, जिसका प्रवाह और स्वरूप समय के साथ निरंतर बदलता रहा है। नदी के बहाव मार्ग में परिवर्तन, तटों का कटाव, जल निकासी तथा बाढ़ की स्थिति आसपास के क्षेत्रों के जनजीवन और कृषि भूमि को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में नदी के वर्तमान व्यवहार के साथ उसके संभावित भविष्य के स्वरूप को समझना प्रभावी नदी प्रबंधन और आपदा न्यूनीकरण के लिए आवश्यक है।

इसी उद्देश्य से आरसैक-यूपी द्वारा बहराइच से बलिया तक फैले घाघरा नदी उप-बेसिन की विस्तृत वैज्ञानिक समीक्षा की जा रही है। परियोजना के अंतर्गत ड्रेनेज, जियोमॉर्फोलॉजी, ढाल, वर्षाजल अपवाह, पैलियो ड्रेनेज और भूमि उपयोग जैसे विभिन्न भू-स्थानिक आंकड़ों का एकीकृत अध्ययन किया गया है। इससे नदी और उसके आसपास के भू-भाग के बीच संबंधों को अधिक स्पष्टता से समझने में सहायता मिल रही है। अध्ययन में आंकड़ों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए वेक्टर डेटा को रास्टर प्रारूप में परिवर्तित कर उसका गुणवत्ता परीक्षण एवं पुनः एकीकरण किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2025 में प्री-मानसून और पोस्ट-मानसून अवधि के दौरान क्षेत्रीय सर्वेक्षण किए गए, ताकि उपग्रह से प्राप्त जानकारी का जमीनी स्तर पर सत्यापन किया जा सके। घाघरा नदी के बदलते स्वरूप को समझने के लिए केवल वर्तमान स्थिति का अध्ययन पर्याप्त नहीं था। इसलिए परियोजना में वर्ष 1975 के सर्वे ऑफ इंडिया टोपोग्राफिकल शीट के साथ विभिन्न वर्षों के प्री-मानसून एवं पोस्ट-मानसून उपग्रह चित्रों का उपयोग भी किया गया। इन आंकड़ों के तुलनात्मक अध्ययन से नदी के चौनल में समय के साथ हुए बदलावों की पहचान की गई। अध्ययन को अधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक बनाने के लिए नदी क्षेत्र को छह उप-सेक्टरों में विभाजित किया गया। प्रत्येक उप-सेक्टर में नदी के बहाव, भू-आकृतिक परिवर्तन और संबंधित परिस्थितियों का अलग-अलग विश्लेषण किया गया। इस प्रकार तैयार किया गया वैज्ञानिक डेटाबेस भविष्य में नदी के व्यवहार को समझने के साथ-साथ संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान में भी उपयोगी साबित हो सकता है।

एक छोटा सा प्रयत्न

आज के समय में कठिन परिस्थिति अगर किसी की आ गयी तो समझो की परिस्थिति को और कठिन , दुःखदायीं , जटिल , दर्दभरी आदि करने वालों की फ़ौज घर व बाहर खड़ी मिलेगी और मज़ेदार बात यह है की ऐसा करके उनको निरन्तर रस और आनन्द मिलता हैं ।जिससे सामने वाला आदमीं हताश हों जाता हैं । ऐसे में उसकी मानसिक प्रतिक्रिया हताशा कीं ही होती हैं । इस हताशा का भी उपहास उडाने में असीम ख़ुशी होती है ।कितनी विचित्र स्थिति हैं वर्तमान की । हमें जैसे हमारा शरीर बहुत - बहुत प्यारा हैं ऐसे ही सभी आत्मा को भी अपना जीवन प्यारा हैं । दूसरों से ईर्ष्या करने वाले को किसी की भी कठिन परिस्थिति में व कैसी ही परिस्थिति में कभी भी मन की शांति नहीं मिलती हैं ।हम जीवमात्र के प्रति सदैव आत्मीयता रखें, हम किसी के प्रति अशोभनीय शब्दों का प्रयोग न करें, किसी को हमारी वजह से तकलीफ न पहुंचे या हमारे बोलने से हमें कर्म नहीं बन्धें यह सोचे क्यूँकि यह कठोर वाणी जब किसी की कठिन परिस्थिति हों तो उसको अग्निदाह से भी अधिक तीव्र दुःख पहुंचाती है इसीलिए बोलने से पहले एक बार हम विचार अवश्य करें की हमको दुःख आया तो , हम सभी के प्रति दयावान,आत्मीयता भाव रखें क्योंकि जिससे हम मिलते हैं वह अपनी (जीवन की) एक कठिन लड़ाई लड़ रहा है ।अतःइस जीवन का प्रथम लक्ष्य है की दूसरों की जब तक जहाँ तक हों सहायता करना, किसी के सत्य के साथ हमदर्दी बनना, जैसे में हूँ ना, ऐसा कहने मात्र से वो सभी तकलीफ भूलकर आपके प्रति भावविभोर हो जायेगा और यदि हम दूसरों की सहायता नहीं कर सकते तो कम से कम उन्हें आहत तो न करें या उसके दुःख , ज़ख़्म को और गहरा तो नहीं करे ।चक्र काल का चलता अनवरत हैं । पल पल क्षीण होता है जीवन ! निश्चित है समय की अपनी रफ़्तार ! पर नहीं भरोसा कब जीवन जाएं हार ? कठिन परिस्थिति में हताशा वाले मानव सम्भाल अपने आपको मत बहा मानव तूँ समय चक्र के फेर में इन अपने आँसूओं को, कौन पोंछेगा इन्हे अब? मर चुकी सबकी करूणा कभी की तेरा दुःख व सत्य देखकर शून्य बन संवेदना से बिना सांस के प्राण पर कठिन परिस्थिति में हताशा वाले मानव सम्भाल अपने आपको ।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

वित्तीय वर्ष 2022...

डॉ0 सीमा गुप्ता

प्रधानमंत्री आवास योजना से प्रतापगढ़ के राजपति का बदला जीवन,जर्जर थी झोपड़ी-बना पक्का आवास

केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के समन्वित प्रयासों से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों के जीवन में युगांतरकारी परिवर्तन का आधार बन रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से निर्धन, वंचित एवं आवासविहीन परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराकर न केवल उनके जीवन स्तर को सुदृढ़ किया जा रहा है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, नागरिक गरिमा और महिला सशक्तीकरण के नए मानक भी स्थापित हो रहे हैं। यह योजना मात्र ईंट-गारे के मकानों के निर्माण तक सीमित न रहकर ऐसे वंचित परिवारों के समग्र मानवीय विकास और ग्रामीण पुनरुद्धार का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है।

जनपद प्रतापगढ़ में इस योजना का प्रभाव अत्यंत व्यापक और प्रेरणादायक रूप में परिलक्षित हो रहा है। जिले के विकास खंड कुंडा अंतर्गत ग्राम पंचायत रामापुर की निवासी राजपति का जीवन इस सकारात्मक बदलाव का जीवंत उदाहरण है। वर्षों तक पांच सदस्यों के अपने परिवार के साथ एक जर्जर कच्ची झोपड़ी में जीवन यापन करने को विवश राजपति के लिए हर मौसम एक कष्ट का अनुभव ही देता था। कभी भयंकर सर्दी तो कभी भयंकर गर्मी उनके परिवार के लिए संकट का कारण बनती थीं। बरसात में टपकती छत ने उनके जीवन को संघर्षपूर्ण बना दिया था। अत्यंत सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण स्वयं के बूते पक्का मकान निर्मित करना उनके लिए सर्वथा असंभव था।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से राजपति को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का पात्र लाभार्थी चयनित किया गया। निर्धारित मानकों के अनुरूप 1,20,000 रुपये की वित्तीय सहायता तीन किस्तों में सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। इस

प्रत्यक्ष आर्थिक सहयोग और परिवार के समर्पित श्रम के समन्वय से उन्होंने एक सुदृढ़, सुरक्षित और आपदा-रोधी पक्के आवास का निर्माण पूर्ण किया। वर्षों के अभाव और असुरक्षा के उपरांत आज उनका परिवार अपने पक्के घर में पूर्ण आत्मसम्मान, स्थायित्व और मानसिक शांति के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। प्रतापगढ़ के ग्रामीण अंचलों में निर्मित हो रहे ये आवास बुनियादी सुविधाओं के अभिसरण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। राजपति के आवास के साथ स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण कराया गया, जिसने खुले में शौच की विवशता को समाप्त कर परिवार के स्वास्थ्य मानकों में सुधार किया तथा विशेष रूप से महिलाओं की गरिमा एवं निजता सुनिश्चित की। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की अन्य प्रमुख योजनाओं जैसे सौभाग्य योजना से विद्युत कनेक्शन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से निःशुल्क गैस कनेक्शन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन कार्ड और आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुरक्षा कवच का लाभ भी एक साथ उपलब्ध कराया गया। इन बहुआयामी जनकल्याणकारी सुविधाओं के संयोजन ने लाभार्थी परिवार की दैनिक कठिनाइयों को दूर करने के साथ-साथ उनके घरेलू व्यय के आर्थिक बोझ को भी अत्यधिक कम किया है। पक्के आवास ने परिवार को सुरक्षित सामाजिक परिवेश प्रदान किया है, जिससे बच्चों की शिक्षा, पोषण और समग्र विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है। कच्ची झोपड़ी की असुरक्षा के वातावरण से निकलकर सुरक्षित पक्के घर के आवास ने परिवार में भविष्य के प्रति एक नया आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण जागृत किया है। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के सफल क्रियान्वयन का सबसे महत्वपूर्ण आधार तकनीक-आधारित, बहुस्तरीय और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था रही है। लाभार्थियों का चयन सामाजिक-आर्थिक एवं जाति जनगणना तथा डिजिटल सर्वेक्षण के माध्यम से पूर्णतः निष्पक्ष आधार पर सुनिश्चित किया गया, जिससे किसी भी स्तर पर अपात्रों के समावेशन की गुंजाइश समाप्त हो गई। वित्तीय पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखने के लिए बिचौलियों की भूमिका को पूर्णतः समाप्त करते हुए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली का कड़ाई से अनुपालन किया गया है।

निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की निगरानी के लिए आधुनिक डिजिटल तकनीकों का व्यापक प्रयोग किया गया है। निर्माण के विभिन्न चरणों- नींव, लिंटल स्तर और अंतिम पूर्णता की वास्तविक समय पर भू-संदर्भित फोटोग्राफी (जियो-टैगिंग) को डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से अनिवार्य किया गया है। इस तकनीक-संवर्धित व्यवस्था ने निर्माण प्रक्रिया को गति प्रदान करने के साथ-साथ जवाबदेही को भी सुदृढ़ किया है। जिला प्रशासन स्तर पर नियमित अनुश्रवण और समयबद्ध स्वीकृतियों ने ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के क्रियान्वयन को अभूतपूर्व गति दी है।

योजना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आजीविका और रोजगार के अवसरों का सृजन है। मनरेगा के तहत लाभार्थियों को आवास निर्माण हेतु निर्धारित अकुशल श्रम दिवसों का पारिश्रमिक लाभार्थियों को सीधे बैंक खाते में उपलब्ध कराया जाता है, जिससे निर्माण लागत में प्रत्यक्ष सहायता मिलती है। इसके साथ ही, स्थानीय स्तर पर राजमिस्त्रियों को तकनीकी प्रशिक्षण देकर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे स्थानीय कुशल व अकुशल श्रमिकों को नियमित रोजगार और निर्माण सामग्री के स्थानीय व्यापार को निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है।

जापान-यूपी एमएसएमई पार्टनरशिप फोरम में निवेश, तकनीकी हस्तांतरण, निर्यात और रोजगार बढ़ाने पर हुआ मंथन

जापानी तकनीक यूपी के एमएसएमई का संगम बनाएगा नया ग्रोथ कॉरिडोर

- जापानी तकनीक को यूपी के हुनर से जोड़कर मजबूत होगी वैश्विक सप्लाई चेन : एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी
- पहली तिमाही में एमएसएमई को 1.40 लाख करोड़ रुपये का ऋण : प्रमुख सचिव शशि भूषण लाल सुशील
- जापानी कंपनियों और यूपी के एमएसएमई के बीच पहले से मजबूत कनेक्शन : सचिव प्रांजल यादव

आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मरकरी हॉल में शुक्रवार को "जापान-यूपी एमएसएमई पार्टनरशिप फोरम : को-क्रिएटिंग द नेक्स्ट ग्रोथ कॉरिडोर" का आयोजन किया गया। फोरम में उत्तर प्रदेश और जापान के बीच सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), निवेश, तकनीकी हस्तांतरण, निर्यात, स्टार्टअप, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, हस्तशिल्प, रोबोटिक्स और रोजगार के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी, प्रमुख सचिव एमएसएमई

शशि भूषण लाल सुशील, सचिव एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन प्रांजल यादव सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, जापानी प्रतिनिधिमंडल, शिक्षाविद, उद्यमी और औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश का विशाल एमएसएमई आधार और जापान की अत्याधुनिक तकनीक मिलकर प्रदेश में औद्योगिक विकास, रोजगार और निर्यात को नई ऊंचाई दे सकते हैं।

एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां क्रियाशील हैं, जो देश की कुल एमएसएमई इकाइयों का लगभग 14 प्रतिशत हैं। प्रदेश सरकार एमएसएमई उत्पादन और रोजगार दोनों में 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

जापान सिटी में ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और प्रिसिजन इंजीनियरिंग का विकसित होगा बड़ा केंद्र

75 जनपदों के स्थानीय उत्पादों को विशिष्ट पहचान दे रही

भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि जापानी उद्योगों की गुणवत्ता सुधारने वाली पद्धतियों Kaizen, 5S और Green Manufacturing को प्रदेश की एमएसएमई इकाइयों में प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे उत्पादन प्रक्रिया में कार्यकुशलता बढ़ेगी, लागत और वेस्टेज कम होगा तथा यूपी के उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एक जनपद एक उत्पाद (ODOP) के माध्यम से सभी 75 जनपदों के स्थानीय उत्पादों को विशिष्ट पहचान दे रही है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के माध्यम से युवाओं और पारंपरिक कारीगरों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत वित्तीय आधार उपलब्ध कराया जा रहा

प्रमुख सचिव एमएसएमई शशि भूषण लाल सुशील ने कहा कि प्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत वित्तीय आधार उपलब्ध कराया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही एमएसएमई इकाइयों को लगभग 1.40 लाख करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया जा चुका है। पिछले वित्तीय वर्ष में यह ऋण वितरण लगभग तीन लाख करोड़ रुपये रहा था। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगभग एक करोड़ एमएसएमई इकाइयों से तीन करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। प्रदेश का कुल निर्यात दो लाख करोड़ रुपये से अधिक है, जिसमें एमएसएमई क्षेत्र का योगदान लगभग 45 प्रतिशत है।

यामानाशी और उत्तर प्रदेश विधान सभा के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान पर समझौता

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। जापान की यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली और भारत गणराज्य की उत्तर प्रदेश विधान सभा के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान एवं सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों विधान सभाओं के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास और सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों पक्षों के बीच विधायी कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका तथा दोनों विधान सभाओं के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के विषय में विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर जापान के यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के अध्यक्ष हिदेनोरी मियामोतो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल की विधान भवन की विभिन्न

यामानाशी प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा का भ्रमण किया, अध्यक्ष सतीश महाना से की शिष्टाचार भेंट

व्यवस्थाओं, सदन की कार्यवाही, विधायी प्रक्रियाओं तथा विधानसभा की कार्यशैली के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश विधान सभा में किए गए आधुनिकीकरण और डिजिटल तकनीक के उपयोग सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर यामानाशी प्रीफेक्चरल असेंबली के अध्यक्ष हिदेनोरी मियामोतो ने उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना को जापान के यामानाशी आने का औपचारिक निमंत्रण दिया।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में निकली बाबा महाकाल की पालकी यात्रा

लखनऊ। लखनऊ के राजेंद्र नगर स्थित श्री महाकाल मंदिर से शुक्रवार को बाबा महाकाल की पालकी यात्रा निकाली गई। डमरू, ढोल-नगाड़ों और 'हर हर महादेव' के जयकारों के बीच भक्त पूरे उत्साह से यात्रा में शामिल हुए। पालकी रानीगंज नाका चौराहा होते हुए वापस मंदिर पहुंची। इस दौरान अघोरी साधु आकर्षण का केंद्र रहे। वे पूरे रास्ते भस्म से खेलते नजर आए।

आगरा में एफएसडीए का 17 दुकानों पर छापा

आगरा । खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ बड़े अभियान की शुरुआत की है। जनपद में दूध और दुग्ध पदार्थों की शुद्धता जांचने के लिए विभाग ने विशेष अभियान चलाया। इस दौरान शहर से लेकर बाह-फतेहाबाद क्षेत्र तक 17 अलग-अलग स्थानों से कुल 17 विधिक नमूने संग्रहित किए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। सहायक आयुक्त (खाद्य)-II महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि अभियान का उद्देश्य त्योहारों से पहले मिलावटी दूध और उससे बने उत्पादों पर रोक लगाना है।

लखनऊ में नशामुक्ति अभियान

लखनऊ । लखनऊ के बख्शी का तालाब इंटर कॉलेज में शुक्रवार को नशामुक्ति को लेकर अभियान चलाया। यहां विज्ञान क्लब की इकाई ने 'नशामुक्त युवा–विकसित भारत अभियान' के तहत स्लोगन लेखन प्रतियोगिता कराई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था।

वित्त से बाजार तक मजबूत लिंकेज पर जोर

200 से अधिक उद्यमियों ने लिया भाग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के एमएसएमई-विकास कार्यालय, कानपुर एवं PHDCCI, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय "सूक्ष्म एवं लघु इकाइयों के लिए वेण्डर विकास कार्यक्रम-2026" का आज पीएचडी हाउस, गोमती नगर, लखनऊ में समापन हुआ। कार्यक्रम में 200 से अधिक एमएसई उद्यमियों, औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों तथा विभिन्न सरकारी, वित्तीय, तकनीकी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वेंडर विकास कार्यक्रम के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव, एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन शशि भूषण लाल सुशील, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सचिव, एमएसएमई एवं

निर्यात प्रोत्साहन प्रांजल यादव तथा निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो के अतिरिक्त आयुक्त पवन अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि शशि भूषण लाल सुशील ने एमएसएमई विकास के लिए वित्तीय सहायता को बाजार और स्थायी व्यावसायिक अवसरों से जोड़ने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि CM YUVA जैसी योजनाओं का उद्देश्य केवल ऋण या वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना नहीं होना चाहिए, बल्कि नए उद्यमियों के लिए बाजार और स्थायी व्यवसाय के अवसर भी सुनिश्चित किए जाने चाहिए। बैंकों के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार जरूरी है।

ननद के साथ नहीं रहना चाहती थी, एसबीआई अफसर ने 30 मिनट में पूरा परिवार खत्म किया

लखनऊ हत्याकांड: मैनेजर पत्नी ने डेढ़ करोड़ मांगे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ हत्याकांड 2 दिन रेकी, 30 मिनट में 2 हत्याएं और सुसाइड। पुलिस की शुरुआती जांच में वारदात की 2 वजह सामने आई हैं। पहली- बैंक मैनेजर दिव्या मिश्रा ने तलाक के लिए SBI अफसर पति मानस बाजपेयी से डेढ़ करोड़ रुपए गुजारा-भत्ता (एलिमनी) मांग रही थी। दूसरी- दिव्या, मानस की मानसिक बीमार बहन शीबा के साथ नहीं रहना चाहती थी। 18 अगस्त को फैमिली कोर्ट में तलाक मामले में सुनवाई थी। इस दौरान मानस और दिव्या के बीच एलिमनी को लेकर विवाद हुआ। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इसके बाद मानस इतना परेशान हो गया कि उसने पत्नी और बहन की

हत्या करके सुसाइड करने की प्लानिंग कर डाली। उसने 3 पिस्तौल खरीदी और 2 दिन तक पत्नी की रेकी की। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे मानस ऑटो से सीधे पत्नी दिव्या के ICICI बैंक पहुंचा। दिव्या को फोन करके बाहर बुलाया। दोनों के बीच पहले विवाद और मारपीट हुई, फिर मानस ने दिव्या के चेहरे पर सटाकर दो गोली मार दी। पूरी घटना बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। इसके बाद वह ऑटो से ही मौके से भाग गया। पसीने से तरबतर होकर 2 किमी दूर अपने घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा बंद किया। टीवी पर तेज आवाज में हनुमान चालीसा चला दी। इसके बाद बहन शीबा के सिर में गोली मार दी।

9 साल पहले लव मैरिज, 1 साल पहले पत्नी ने घर छोड़ा

परिजन के मुताबिक, मानस और दिव्या ने 2017 में लव मैरिज की थी। शादी के शुरुआती दिनों में दोनों के रिश्ते ठीक रहे। बाद में छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद होने लगा। धीरे-धीरे दोनों के बीच दूरी बढ़ती गई और दोनों अलग रहने लगे।

2018 में मानस की मां को कैंसर हुआ तो दिव्या दोबारा उसके साथ रहने लगीं। इसी दौरान मानस की बहन को साथ रखने को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद होने लगा। 2019 में मानस की मां की मौत के बाद दिव्या फिर अलग हो गईं। कुछ समय बाद दोनों के बीच बातचीत हुई और वे दोबारा साथ रहने लगे। 2025 में बहन को लेकर दोनों के बीच फिर विवाद बढ़ गया। दिव्या का कहना था कि वह मानस की बहन के साथ नहीं रहेगी। मानस इसके लिए तैयार नहीं था। इसके बाद नवंबर 2025 में दिव्या ने पूरी तरह घर छोड़ दिया।

3 हथियार खरीदे, पत्नी की रेकी शुरू की

मानस के एक दोस्त ने पुलिस को बताया कि वह करीब 3 महीने से बैंक के ऑडिट के काम से शहर से बाहर था। लौटने के बाद उसे 18 अगस्त को फैमिली कोर्ट में होने वाली सुनवाई की जानकारी मिली। वह कोर्ट पहुंचा। पुलिस के मुताबिक, यहीं उसे करीब डेढ़ करोड़ रुपए की एलिमनी की मांग के बारे में पता चला। इसके बाद वह तनाव में आ गया। पुलिस की जांच के मुताबिक 18 अगस्त की सुनवाई के बाद मानस ने पत्नी और बहन की हत्या कर खुदकुशी करने की योजना बनाई। इसके लिए उसने 2 दिन में 3 हथियारों का इंतजाम किया। इनमें दो 9 एमएम पिस्टल और एक तमंचा बताया जा रहा है। पुलिस ने तीनों हथियार बरामद कर लिए हैं। तीनों लोडेड थे। हालांकि, मानस ने ये हथियार कहां से और किससे खरीदे, इसकी जांच की जा रही है।

3.15 लाख से अधिक वाहन पोर्टल पर ऑनबोर्ड, यूपी में सुरक्षित और स्मार्ट परिवहन की ओर बड़ा कदम

अब ऐप से बुकिंग वाले सफर में मनमानी पर लगेगी लगाम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में परिवहन और डिलीवरी सेवाओं को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश मोटरयान (समूहक एवं वितरण सेवा प्रदाता) नियमावली 2026 को लागू कर दिया है। इसके साथ upmyfleet.com एग्रीगेटर पोर्टल भी शुरू कर दिया गया है। नई व्यवस्था में यात्रियों की सुरक्षा, ड्राइवरों का कल्याण, वाहन प्रदूषण की निगरानी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा, किराये में पारदर्शिता और शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण मानक तय किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 22 मई

2026 की अधिसूचना के माध्यम से उत्तर प्रदेश मोटरयान (समूहक एवं वितरण सेवा प्रदाता) नियमावली, 2026 लागू की है। इसके तहत एग्रीगेटर और डिलीवरी सेवा प्रदाताओं के लिए आवेदन, लाइसेंस, सुरक्षा जमा राशि और संचालन से जुड़े नियम तय किए गए हैं। यह व्यवस्था उन डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म से जुड़ी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके माध्यम से यात्रियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाती है या किसी चालक को विक्रेता, ई-कॉमर्स इकाई अथवा प्रेषक से जोड़कर उत्पाद, कूरियर, पैकेज या पार्सल पहुंचाने की सेवा दी जाती है।

प्रदेश में एग्रीगेटर नीति 2026 लागू, होने से यात्रियों की सुरक्षा से लेकर ड्राइवरों के हित तक तय हुए नए मानक

- **आवेदन से लाइसेंस तक, कंपनियों के लिए तय हुई स्पष्ट व्यवस्था, सुरक्षा जमा राशि से कंपनियों की जवाबदेही होगी मजबूत**
- **ऐप आधारित यात्री परिवहन के साथ डिलीवरी और लॉजिस्टिक नेटवर्क भी इसके दायरे में आएंगे**
- **हर यात्री के लिए बीमा, बिना कारण पिकअप कैंसिल करने पर कंपनी पर लगेगा 100 रुपये का अर्थदंड**
- **ड्राइवरों के हित के लिए 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, 10 लाख रुपये का टर्म इंश्योरेंस**

यानी ऐप आधारित यात्री परिवहन के साथ डिलीवरी और लॉजिस्टिक नेटवर्क भी इसके दायरे में आते हैं। नीति में एग्रीगेटर द्वारा जमा की जाने वाली सुरक्षा राशि को वाहन बेड़े के आकार से जोड़ा गया है। नियम के अनुसार 100 बस या 1,000 अन्य मोटरयान तक के बेड़े के लिए 10 लाख रुपये, 1,000 बस या 10,000 अन्य मोटरयान तक के बेड़े के लिए 25 लाख रुपये और 1,000 से अधिक बस या 10,000 से अधिक अन्य मोटरयान वाले बड़े बेड़े के लिए 50 लाख रुपये की सुरक्षा जमा राशि निर्धारित की गई है।

आवेदन से लाइसेंस तक, कंपनियों के लिए तय हुई स्पष्ट व्यवस्था

नई नीति के तहत एग्रीगेटर को संचालन के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। आवेदन की फीस 25 हजार रुपये और लाइसेंस प्रदान करने की फीस 5 लाख रुपये निर्धारित की गई है। इससे एग्रीगेटर सेवाओं के संचालन के लिए एक स्पष्ट और औपचारिक नियामक व्यवस्था तैयार होगी। इस व्यवस्था का फायदा सरकार के साथ-साथ कंपनियों को भी होगा। कंपनियों को नियमों, सुरक्षा मानकों और सेवा की गुणवत्ता को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश मिलेंगे, जबकि परिवहन विभाग के पास एग्रीगेटर सेवाओं की निगरानी के लिए व्यवस्थित ढांचा रहेगा।

भीमबैठका के शैलचित्रों एवं धरोहर जागरूकता पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ द्वारा आयोजित 13 दिवसीय पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के दूसरे दिन पुरातत्व एवं सांस्कृतिक धरोहर से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में पद्मश्री से सम्मानित प्रख्यात पुरातत्वविद् डॉ. नारायण व्यास ने Study of the Brick Structures and Bhimbetka Caves: History and Paintings विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने भीमबैठका शैलाश्रयों के इतिहास, उनकी खोज तथा वहां प्राप्त प्रागैतिहासिक भित्ति चित्रों की ऐतिहासिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. व्यास ने इन शैलचित्रों की संरचना, चित्रांकन शैली तथा रंगों एवं चित्र निर्माण में प्रयुक्त प्राकृतिक सामग्रियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन भित्ति चित्रों में प्रागैतिहासिक मानव के जीवन, आखेट, नृत्य, युद्ध, सामूहिक गतिविधियों तथा पशु-जगत

का अत्यंत सजीव चित्रण मिलता है। विभिन्न कालखंडों से संबंधित इन चित्रों की शैलीगत विविधता मानव सभ्यता एवं सांस्कृतिक विकास को समझने में महत्वपूर्ण स्रोत है। द्वितीय सत्र में डॉ. साधना व्यास ने Fostering Heritage Awareness: The Role of Teachers and Students विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक धरोहर के प्रति जागरूकता विकसित करने में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक धरोहर संबंधी ज्ञान एवं संरक्षण के मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जबकि विद्यार्थी भविष्य में धरोहर संरक्षण के जागरूक संवाहक बन सकते हैं।

सुरक्षा : पहली बार 52 नेताओं को बांटी, इनमें राजभर, नंदी, अपर्णा यादव का भी नाम

अखिलेश - मायावती को योगी सरकार ने दी बुलेट प्रूफ जैकेट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव, मायावती समेत 52 नेताओं को बुलेट प्रूफ जैकेट दी। इनमें 11 कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं। मंत्री संजय निषाद, नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', ओपी राजभर, अपर्णा यादव को जैकेट मिल गई है।

बुलेट प्रूफ जैकेट यूपी सरकार के सुरक्षा मुख्यालय ने खरीदी है। एक जैकेट की कीमत 1.5 लाख रुपए बताई जा रही है। बातचीत में मंत्री संजय निषाद ने कहा- मुझे बुलेट प्रूफ जैकेट पहनना ही नहीं आता। अब तक इसे पहनना नहीं सिखाया गया है। सूत्रों के मुताबिक,

विधानसभा- 2027 को देखते हुए सरकार ने एहतियातन यह फैसला लिया है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब नेताओं को बुलेट प्रूफ जैकेट मुहैया कराई गई है। पहले चरण में 8, जबकि दूसरे चरण में अब 44 नेताओं को जैकेट बांटी गई है। सरकार ने आधिकारिक तौर पर बुलेट प्रूफ जैकेट बांटने की वजह का खुलासा नहीं किया। हालांकि, सुरक्षा मुख्यालय के एक अफसर ने बताया कि पहले बुलेट प्रूफ जैकेट सुरक्षा मानकों में शामिल नहीं थी। इसे अब शामिल किया गया है।

प्रदेश सरकार के जिन मंत्रियों को Y प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है, उसमें लक्ष्मी नारायण चौधरी, बेबी रानी मौर्य, ओम प्रकाश राजभर, बलदेव सिंह औलख शामिल हैं। जबकि, कुछ सांसदों और विधायकों को भी इसी कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है।

> **यूपी में 98 नेता ऐसे हैं, जिन्हें किसी न किसी कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। सिर्फ मंत्रियों या विपक्ष के बड़े नेताओं को ही नहीं, बल्कि पश्चिम यूपी में भाजपा के फायरब्रांड नेता संगीत सोम और सुरेश राणा का नाम भी बुलेट प्रूफ जैकेट पाने वालों की लिस्ट में शामिल हैं।**

यूपी में 98 लोगों को सुरक्षा, 12 को जेड प्लस सिक्योरिटी

यूपी में 98 लोगों को सुरक्षा दी गई है। इनमें सबसे ज्यादा 26 लोगों को Y कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। वहीं, 10 को Y-प्लस, 10 को एस्कॉर्ट के साथ Y कैटेगरी और एस्कॉर्ट के साथ Y-प्लस कैटेगरी की सुरक्षा 13 लोगों को मिली हुई है। Z-प्लस की सुरक्षा जिन 12 लोगों को मिली है, उनमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी के साथ अखिलेश यादव और मायावती भी शामिल हैं। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व सांसद मुरली मनोहर जोशी, विनय कटियार, सुरेश राणा, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा और हाईकोर्ट के एक रिटायर्ड जज को ये सुरक्षा मुहैया कराई गई है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को Z कैटेगरी की सुरक्षा दी गई है। बसपा के कद्दावर नेता सतीश चंद्र मिश्रा को भी Z सुरक्षा दी गई है। इनके अलावा, मेरठ की सरधना सीट से भाजपा विधायक रह चुके संगीत सोम, गोंडा से 6 बार सांसद रह चुके बृजभूषण शरण सिंह, प्रदेश सरकार में मंत्री नंद गोपाल नंदी, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जयवीर सिंह और कांग्रेस के नेता प्रमोद तिवारी को भी Z सुरक्षा मिली है।

परिवर्तन योजना पर्यावरण एवं जन हितैषी है : दयाशंकर सिंह

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में परिवर्तन योजना लागू

बीएस-06 वाहनों की खरीद पर वाहन स्वामियों को मिलेगा पंजीयन एवं मार्गकर में 100 प्रतिशत छूट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि देश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से सड़क परिवहन एवं राजामार्ग मंत्रालय भारत सरकार (मोर्थ) द्वारा परिवर्तन योजना लागू की गयी है जो कि उ0प्र0 के मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, हापुड़, बागपत, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर एवं

शामली में भी प्रभावी होगी।

उन्होंने बताया कि योजना में बीएस-01, बीएस-02, बीएस-03 एव बीएस-04 श्रेणी के मालवाहनों में ट्रक एवं बस को बीएस-06 डीजल/सीएनजी अथवा विद्युत (इलेक्ट्रिक) वाहनों से प्रतिस्थापित किया जाना है। इससे स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल तथा आमजन के हित में परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

परिवहन मंत्री ने बताया कि उक्त श्रेणी के बस एवं मालवाहन (ट्रक) स्वामियों द्वारा वाहनों को स्क्रैप किए जाने पर निक्षेप प्रमाण-पत्र (सीओडी) प्राप्त होगा। इससे नए बीएस-6 वाहन खरीदने पर वाहन कर एवं पंजीयन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट तथा मार्ग कर में 10 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके अलावा पुराने बीएस-6 वाहनों को खरीदने पर मार्ग कर में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। साथ ही उक्त वाहनों को स्क्रैप कराकर उसके स्थान पर बीएस-6 वाहन खरीदने पर 01 वर्ष से पूर्व का बकाया राजस्व पूर्णतः माफ होगा। परिवहन मंत्री ने बताया कि ईवी वाहनों के खरीदने पर 64 हजार से लेकर 2 लाख 56 हजार की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि देने की भी व्यवस्था परिवर्तन योजना में शामिल है।

निर्माणाधीन मॉल की शटरिंग गिरी, 3 की मौत

नाइट शिफ्ट के दौरान हादसा, 5 मजदूर काम कर रहे थे, परिजन बोले- न्याय चाहिए

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

डीएम-एसएसपी मौके पर पहुंचे। हादसे के कारणों की जांच भी शुरू की। मुख्यमंत्री योगी ने हादसे पर दुख जताया है। अफसरों को घायलों का इलाज कराने का निर्देश दिया है। मृतकों के परिजनों से बात कर हरसंभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। हादसा थाना कोतवाली वृंदावन के रुक्मणी विहार इलाके की है।

मथुरा। मथुरा में शुक्रवार सुबह 7 बजे निर्माणाधीन ओमेक्स मॉल में शटरिंग गिर गई। हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई। एक घायल है। पुलिस के मुताबिक, मॉल में 4-5 मजदूर नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। अचानक शटरिंग भरभराकर गिर गई। मजदूर मलबे में दब गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। अफरा-तफरी के बीच पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस, फायर ब्रिगेड और राहत-बचाव टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। मलबे से एक मजदूर की लाश बाहर निकाली गई। घायल 3 मजदूरों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान 2 की मौत हो गई। एक का इलाज चल रहा है। मृतकों में दो पश्चिम बंगाल और एक नेपाल का रहने वाला है। मृतक शिवराम की भतीजी मनीषा ने बताया- मॉल में तीन साल से काम चल रहा है। शिवराम 6 अगस्त को काम पर आए थे। 7 अगस्त से काम करना शुरू किया था। आज हादसे में उनकी मौत हो गई। हम लोग न्याय मांग रहे हैं। लेकिन, हमारी सुनवाई नहीं हो रही है। हमें न्याय चाहिए। अन्य मजदूरों ने कहा- निर्माण कंपनी की सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही की वजह से हादसा हुआ है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को 50 लाख रुपए के मुआवजे की मांग की है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ओमेक्स मॉल के प्रबंधक आरके जैन ने बताया- आज सुबह छज्जा बनाते समय हादसा हुआ। वैसे तो रोज 50 मजदूर काम करते हैं, लेकिन आज सुबह में चार-पांच मजदूर ही काम पर थे। हादसे के वक्त एक मजदूर बाहर गया हुआ था। हादसा कैसे हुआ, इसकी जानकारी की जा रही है।

रफीउल, मृतक | शिवराम, मृतक | आलम, मृतक

मृतकों में दो पश्चिम बंगाल और एक नेपाल का मजदूर

एसपी सिटी राजीव कुमार ने बताया- 'वृंदावन कोर्टयार्ड मॉल' की दूसरी मंजिल पर छत और छज्जे की ढलाई का काम चल रहा था। तभी शटरिंग और ढलाई का समान भरभराकर गिर गया। हादसे में एक सिमरी, कैलाली (नेपाल) निवासी मजदूर शिवराम (40) की मौके पर ही मौत हो गई। मलबा हटाने पर 3 मजदूर घायल हालत में मिले। उन्हें एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां से उन्हें आगरा के एसएन मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। इलाज के दौरान दो और मजदूरों रफीउल (40) और आलम (42) की मौत हो गई। दोनों पश्चिम बंगाल के कूच बिहार के रहने वाले थे। बंगाल के ही एक मजदूर दिलबार (42) का इलाज चल रहा है।

ए.के. शर्मा की उपस्थिति में ताज होटल में हुई उच्चस्तरीय बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

■ उत्तर प्रदेश और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग पर महत्वपूर्ण समझौता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश को स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में आज ताज होटल, गोमती नगर, लखनऊ में UP–Japan Investment Meet 2026 का आयोजन किया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा, चेयरमैन, ऊर्जा विभाग, निदेशक, रिन्यूएबल एनर्जी तथा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और जापान यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी और उनकी टीम तथा उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक, उत्पादन, अनुसंधान एवं निवेश के क्षेत्र में सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर दोनों पक्षों के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) भी संपन्न हुआ।

ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। उत्तर प्रदेश में इसके उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा मिलने से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी तथा पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग उद्योगों में ताप ऊर्जा, भारी वाणिज्यिक वाहनों जैसे बसों और ट्रकों, उर्वरक निर्माण तथा अन्य कठिन-से-डीकार्बोनाइज क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

फास्ट न्यूज

रिमझिम इस्पात के डायरेक्टर समेत 5 के खिलाफ वारंट जारी

कानपुर । कानपुर में टैक्स चोरी के 12 साल पुराने मामले में जिला न्यायालय से रिमझिम इस्पात व जूही एलॉयज लिमिटेड और उसके निदेशकों योगेश अग्रवाल, मुकुल अग्रवाल, कपिल, लक्ष्मीकांत गोयल, अनिल गोयल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। स्पेशल सीजेएम ने आरोपियों को 15 सितंबर तक कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए हैं।

आगरा कॉलेज में स्टाफ क्लब चुनाव टला

आगरा । कॉलेज में 22 अगस्त को होने वाला स्टाफ क्लब का चुनाव टाल दिया गया है। वजह, कॉलेज के प्राचार्य और प्रोफेसरों के बीच चल रहा विवाद है, जो अब थाने तक पहुंच गया है। कॉलेज में तनाव का माहौल है, जिसके चलते चुनाव अधिकारियों ने मतदान स्थगित करने का फैसला लिया है।

मामला बुधवार का है। आगरा कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सीके गौतम और शिक्षकों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे से अभद्रता की और अपशब्द कहे। इसके बाद प्राचार्य प्रो. सीके गौतम ने शिक्षकों पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी।

एमएलए चुप, बेटे ने कहा-माफ कर दिया तो बात खत्म

आगरा। आगरा में विधायक चौधरी बाबूलाल पर अभद्र टिप्पणी करने के बाद समाजसेवी बाल योगी ने माफी मांगी, लेकिन करीब एक घंटे बाद ही उनका रुख फिर बदल गया। उन्होंने लगातार वीडियो जारी कर सियासी बयानबाजी शुरू कर दी। हालांकि, इस पूरे विवाद पर विधायक चौधरी बाबूलाल ने अब चुप्पी साध ली है। लेकिन उनके बेटे रामेश्वर चौधरी की तरफ से जवाब आया है।

गंगा में डूबे चार लोगों की 5वें दिन भी तलाश

बहन बोली- पैर पकड़ रही हूं, मेरे भाई को ढूंढ दो

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में गंगा के बिठूर और ड्योढ़ी घाट पर डूबे 4 युवकों का पांचवें दिन भी कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस, पीएसी और एनडीआरएफ की टीमें 100 किलोमीटर से ज्यादा इलाके में तलाश कर चुकी हैं।

पांच दिन से परिवार के लोग भी घाट-घाट भटककर अपनों की तलाश कर रहे हैं। ड्योढ़ी घाट पर इकलौते भाई की तलाश में पहुंची बहन ने पुलिस और गोताखोरों से हाथ जोड़कर कहा- मैं आपके पैर पकड़ रही हूं, हाथ जोड़ रही हूं। मेरे इकलौते भाई को ढूंढ दीजिए।

पुलिसअफसरों के मुताबिक, गंगा में तेज बहाव और बढ़े जलस्तर के कारण तलाश में मुश्किल आ रही है। इसके बावजूद पुलिस और गोताखोरों की टीमें कानपुर से प्रयागराज तक गंगा में कॉम्बिंग कर रही हैं। महाराजपुर थाना क्षेत्र के ड्योढ़ी गंगा घाट पर 17 अगस्त को नहाने के दौरान कृष्णा (16) और शिवा शुक्ला (17) डूब गए थे। दोनों राजा मार्केट अहिरवां और पटेल नगर के रहने वाले थे। वहीं, 4 दोस्त सूर्या, विराग, कृष्णा और शिवा भी गंगा स्नान के लिए घाट पर पहुंचे थे। नहाने के दौरान कृष्णा और शिवा तेज बहाव की चपेट में आ गए और गहरे पानी में समा गए।

कानपुर में आईं कर्मी ने सुसाइड किया

कानपुर । कानपुर के कृष्णापुरम में शुक्रवार सुबह आईटी कर्मी रवि दीक्षित (38) ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कमरे से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने लखनऊ निवासी अपनी बड़ी बहन पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि पैतृक संपत्ति में हिस्से को लेकर बड़ी बहन और जीजा लगातार दबाव बना रहे थे। हाथापाई भी की थी।

रवि चकेरी के कृष्णापुरम में पत्नी ज्योति मिश्रा और आठ वर्षीय बेटे समग्र के साथ रहते थे। वह पिछले चार साल से एनटीटी डाटा कंपनी में वर्क फ्रॉम होम कर रहे थे। पत्नी ज्योति के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब छह बजे वह कमरे में पहुंचीं तो रवि दुपट्टे के सहारे पंखे से लटके मिले। परिजनों के मुताबिक, रवि के पिता स्व. उदय नारायण दीक्षित ने चकेरी के कृष्णापुरम में मकान खरीदा था। परिवार का पैतृक आवास कानपुर देहात के जिग्निस गांव में भी है। रवि की छोटी बहन निधि कृष्णापुरम में ही रहती हैं।

फूड सेफ्टी विभाग ने मारा छापा, 1000 लीटर घोल में मिलीं मरी मक्खियां

40-50 भैंसों के बीच बन रही थी मिठाई

■ टीम को गंदे प्लास्टिक ड्रमों में स्किम्ड मिल्क पाउडर, चीनी और पानी से तैयार करीब 1000 लीटर घोल मिला। जिसपर कीड़े और मक्खियां थे।

तमसा संकेत, एजेंसी

रक्षाबंधन से पहले लखनऊ के काकोरी में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने हरदोईया लालनगर स्थित शिवाच्छी स्वीट्स पर छापा मारा। यहां मिठाई बनाने की जगह के आसपास 40-50 भैंसें बंधी मिलीं। गंदगी के बीच तैयार मिठाइयों पर मक्खियां और दूसरे कीड़े घूम रहे थे। करीब 1000 लीटर घोल में मरी हुई मक्खियां मिलने पर टीम ने 1675 किलो मिठाई और घोल नष्ट कराया। 15 खाद्य पदार्थों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने 20 अगस्त को दुकान की जांच की। संचालक संजीत कुमार की मौजूदगी में पता चला कि प्रतिष्ठान के पास खुदरा श्रेणी का लाइसेंस है, जबकि यहां बड़े स्तर पर मिठाइयां तैयार की जा रही थीं। निर्माण स्थल पर सफाई की हालत भी खराब मिली। दीवारों पर प्लास्टर नहीं था और पास की खुली नाली में गंदा पानी जमा था।

जांच में सामने आया कि दुकान पर काम करने वाले करीब 25 कर्मचारियों का हेल्थ टेस्ट नहीं कराया गया था। वे हेड कवर, एप्रन और ग्लव्स का इस्तेमाल भी नहीं कर रहे थे। पेस्ट कंट्रोल और इस्तेमाल होने वाले पानी की जांच की व्यवस्था भी नहीं मिली। टीम ने 686 किलो खाद्य सामग्री जब्त कर ली।

ड्रम में रखा था 1000 लीटर घोल

टीम को गंदे प्लास्टिक ड्रमों में स्किम्ड मिल्क पाउडर, चीनी और पानी से तैयार करीब 1000 लीटर घोल मिला। इसमें कई मक्खियां गिरी थीं, कुछ मरी हुई भी थीं। मौके पर 1675 किलो तैयार मिठाई मिली। इसमें 1000 किलो कलाकंद, 300 किलो डोडा बर्फी, 350 किलो चिकनी बर्फी और 25 किलो पेड़ा शामिल था।

इसकी कीमत करीब 79,170 रुपए बताई गई है। इसमें मिल्क पाउडर, सूजी, फिटकरी, काजू, मूंगफली, बूंदी और सफेद दानेदार पाउडर शामिल हैं।

अमरोहा में 'बिहारी' कहने पर मार डाला

फावड़े से सिर, गर्दन पर किए 5 वार डीजल छिड़ककर जलाने की कोशिश, आरोपी बोला- परेशान हो गया था

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रदीप, मृतक

अमरोहा। अमरोहा में 'बिहारी' कहकर चिढ़ाने से नाराज युवक ने साथी की हत्या कर दी। 17 अगस्त की शाम करीब 7 बजे उसने फावड़े से सिर, गर्दन, कंधे और कमर पर 5 वार किए। हत्या के बाद शव को डीजल डालकर जलाने की कोशिश की। फिर पकड़े जाने के डर से शव पॉलीथिन में लपेटकर भूसे की कोठरी में छिपा दिया। बदबू आने पर दो दिन बाद शव बरामद हुआ।

मामला जिला मुख्यालय से करीब 20 किमी दूर नौगावां सादात थाना क्षेत्र का है। आरोपी और मृतक ग्राम प्रधान की डेयरी पर साथ काम करते थे। पुलिस ने शक के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल कर ली।

गांव नाजरपुर कलां के ग्राम प्रधान राकेश कुमार अपने साथी वेदपाल सिंह के साथ डेयरी चलाते हैं। मुरादाबाद के छजलैट क्षेत्र के हाफिजपुर गांव निवासी प्रदीप कुमार (40) करीब 5 साल से यहां काम कर रहा था। बिहार के सीतामढ़ी के हरियापुर गांव निवासी नितेश भी डेयरी पर पशुओं के चारा-पानी की व्यवस्था देखता था।

एसपी लखन सिंह यादव के मुताबिक, प्रदीप अक्सर नितेश को उसके नाम के बजाय 'बिहारी' कहकर बुलाता था। नितेश इसका विरोध करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कई बार कहासुनी भी हुई थी।

17 अगस्त को प्रदीप की बहन अमन देवी अपनी छोटी बहन के साथ उससे मिलने डेयरी आई थी। दोपहर में मुलाकात के बाद दोनों घर लौट गईं। 18 अगस्त की सुबह वेदपाल डेयरी पहुंचे तो प्रदीप वहां नहीं मिला। उसका मोबाइल और कपड़े वहीं पड़े थे। बहन से पूछने पर उसने भी प्रदीप के बारे में जानकारी होने से इनकार किया। नितेश ने पुलिस को बताया कि प्रदीप रोज उसे 'बिहारी' कहकर बुलाता था। इससे वह परेशान था। उसने कई बार प्रदीप को समझाया और डेयरी मालिक से भी शिकायत की, लेकिन उसकी आदत नहीं बदली।

नितेश के मुताबिक, घटना वाले दिन भी प्रदीप ने उसे 'बिहारी' कहकर बुलाया। इसी बात पर दोनों में झगड़ा हुआ। उसने फावड़ा उठाकर प्रदीप पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। मौत के बाद उसने पास रखे केन से डीजल निकाला और शव जलाने की कोशिश की, लेकिन सिर्फ कपड़े जल सके। इसके बाद उसने शव को पॉलीथिन में लपेटकर भूसे में छिपा दिया।

19 अगस्त को भूसे की कोठरी में मिला शव

19 अगस्त की शाम ग्राम प्रधान राकेश कुमार और वेदपाल सिंह थाने पहुंचे। प्रदीप के लापता होने की सूचना दी। दोनों खुद भी उसकी तलाश कर रहे थे। करीब दो घंटे बाद डेयरी की भूसे की कोठरी से बदबू आने पर तलाशी ली गई। वहां पॉलीथिन में लिपटा प्रदीप का शव मिला।

सूचना पर पुलिस, फील्ड यूनिट और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। देर रात पुलिस ने शक के आधार पर डेयरी में प्रदीप के साथ काम करने वाले नितेश को हिरासत में लिया। पहले उसने घटना की जानकारी से इनकार किया, लेकिन पूछताछ में हत्या की बात कबूल कर ली।

बर्रा-8 की कच्ची बस्ती में घुसा पांडु नदी का पानी

कानपुर में घर छोड़ने को मजबूर हुए परिवार

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में लगातार हो रही बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पांडु नदी का जलस्तर बढ़ने से गुरुवार को बर्रा-8 के वरुण विहार की कच्ची बस्ती में पानी घुस गया। कई घरों और झोपड़ियों में पानी भरने से लोगों की गृहस्थी प्रभावित हो गई।

हालात बिगड़ने पर कई परिवार बच्चों और जरूरी सामान के साथ सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर चले गए हैं, जबकि कुछ परिवार आसपास किराये के कमरों में रहने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक दिन बीत जाने के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक कोई सरकारी मदद नहीं पहुंची है। बस्ती के चंद्रपाल, मनीष और रीता ने बताया कि बुधवार रात अचानक पानी घरों में पहुंचने लगा। अंधेरे में मोबाइल की रोशनी के सहारे बच्चों को घरों से बाहर निकाला गया। देखते ही देखते कई झोपड़ियों में पानी भर गया। जलभराव के कारण लोग अपने घरों में वापस नहीं जा पा रहे हैं और दूसरों के घरों में गुजर-बसर कर रहे हैं। पानी भरने से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। रास्ते और घरों में पानी भर जाने से बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं।

पांडु नदी का जलस्तर बढ़ने से रफाका नाले में बैकफ्लो की आशंका भी बढ़ गई है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'यूपी में बड़ी संख्या में...

प्रदेश में जापान के निवेशकों के लिए एम0एस0एम0ई0 से लेकर बड़े उद्योगों तक व्यापक अवसर उपलब्ध हैं। दोनों पक्षों के पारस्परिक सहयोग से इन सम्भावनाओं को ठोस परिणामों में बदला जा सकता है।

शिष्टाचार भेंट के दौरान सेमीकण्डक्टर क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग को लेकर विशेष चर्चा हुई। जापानी पक्ष ने अवगत कराया कि जुलाई, 2026 में जापान के प्रधानमंत्री श्री ताकाइची की भारत यात्रा के दौरान सेमीकण्डक्टर को जापान-भारत आर्थिक सुरक्षा सहयोग के पाँच प्राथमिक क्षेत्रों में शामिल किया गया है। इसी क्रम में जापानी उद्योग जगत की एक टीम सितम्बर के मध्य में सेमीकॉन इण्डिया के साथ एच0सी0एल0 टेक्नोलॉजीज का दौरा करेगी। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जापान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की सेमीकण्डक्टर समिति की बैठक में सहभागिता की सम्भावनाओं पर भी चर्चा हुई। जापानी पक्ष ने सेमीकण्डक्टर क्षेत्र में सम्भावनाओं का अध्ययन करने के लिए अपनी टीम के उत्तर प्रदेश दौरे की बात कही। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उन्नत प्रौद्योगिकी के इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता के बीच सहयोग की व्यापक सम्भावनाएँ हैं।

विनिर्माण, कृषि और नर्सिंग केयर जैसे क्षेत्रों में जापान में उपलब्ध रोजगार अवसरों के लिए उत्तर प्रदेश के युवाओं को तैयार करने पर भी चर्चा हुई। इसी क्रम में मार्च में आगरा के आर0बी0पी0जी0 कॉलेज में कृषि क्षेत्र में जापान में रोजगार के अवसरों के लिए आयोजित रोजगार मेले का उल्लेख किया गया। एमिटी विश्वविद्यालय और जापान के इबाराकी प्रीफेक्चर के बीच विद्यार्थियों के लिए इण्टर्नशिप और प्रशिक्षण के अवसर विकसित करने के लिए हुए समझौते को भी दोनों देशों के बीच बढ़ते मानव संसाधन सहयोग की महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

आंसर की' पर फीस ...

हालांकि, उसी दिन NTA ने इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषयों की परीक्षाएं रद्द कर दी थी। NTA ने माना कि इन विषयों के प्रश्न पत्र में स्पेलिंग और प्रिंटिंग की गलतियां थीं।

NTA ने कहा- पेपर्स में पहले पूछे जा चुके सवाल दोहराए गए थे। आंसर-की जारी करने के बाद छात्रों ने गड़बड़ियों का जिक्र किया था। इन्हें केवल सवाल हटाकर ठीक नहीं किया जा सकता था।

NTA ने तीनों विषयों की दोबारा परीक्षा की तारीख जारी की हैं। अंग्रेजी, कॉमर्स और सोशियोलॉजी की परीक्षाएं अब 9 और 10 सितंबर को होंगी। NTA ने पहले 22 से 30 जून तक UGC-NET एग्जाम कराया था। NTA ने बताया कि अंग्रेजी की परीक्षा 9 सितंबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। कॉमर्स का पेपर उसी दिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक कराया जाएगा।

जयपुर- सीजेपी ...

48 घंटे का अल्टीमेटम दे रहे हैं। हमलावरों की गिरफ्तारी हो और स्कूल निरीक्षण रोकने का आदेश वापस लिया जाए। ऐसा नहीं हुआ तो पूरे राजस्थान में आंदोलन करेंगे और दिलावर के इस्तीफे की मांग करेंगे।'

CJP के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा- अगर अगले 48 घंटों में स्कूल की मरम्मत का काम शुरू नहीं हुआ और उन गुंडों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो मैं जयपुर आऊंगा और स्कूल के सामने बैठा रहूंगा, जब तक स्कूल को ठीक कराने का काम नहीं किया जाता है।

इससे पहले सुबह करीब 8 बजे CJP के कुछ कार्यकर्ताओं से ग्रामीणों की धक्का-मुक्की हुई थी। ग्रामीणों ने उन्हें गांव से बाहर निकाल दिया। CJP के विरोध में नारे लगाते हुए ग्रामीण सरकारी स्कूल के बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने गांव के मुख्य रास्ते पर ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी कर घेराबंदी कर दी और आने-जाने वाली गाड़ियों की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, आशुतोष सहित CJP के 5 कार्यकर्ता गंभीर घायल हुए हैं। 7 के चोट लगी है। उन्हें इलाज के लिए SMS हॉस्पिटल लाया गया। CJP का वाटिका रोड पर भट्टा वाला राजकीय सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने का भी प्लान था, जिसे अब कैंसिल कर दिया।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि हमला करने वाले ग्रामीण नहीं, बीजेपी कार्यकर्ता थे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- बच्चों की शिक्षा में व्यवधान कौन बर्दाश्त करेगा। इसलिए विरोध हुआ। कॉकरोच मुंह छिपाकर भाग गए।

गुजरात में जहरीली ...

यहां एक युवक ने पुलिस में भर्ती होने की खुशी में शराब पार्टी रखी थी। शराब घनश्याम नाम के एक तस्कर से ली गई थी। नकली शराब विदेशी बोतलों में भरी थी। पार्टी के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। कुछ लोगों की हालत इतनी तेजी से बिगड़ी कि उन्हें अस्पताल पहुंचाने का भी वक्त नहीं मिला। भावनगर के तीन युवकों ने घरों में उल्टी करते-करते ही दम तोड़ दिया था। स्थानीय लोगों का दावा है कि यही शराब कई गांवों तक पहुंची है। अगले दिन दूसरे इलाकों से भी ऐसे मामले सामने आए।

गुजरात पुलिस ने इस मामले में अब तक 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 13 भावनगर के रहने वाले हैं। ये सभी अवैध शराब तस्करी से जुड़े हुए हैं। वहीं, शराब कांड के मुख्य आरोपी रईस और जुबैर मध्यप्रदेश के उज्जैन के रहने वाले हैं। इन दिनों को भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

ये न्याय का पहला...

राहुल के साथ प्रियंका गांधी, अधीर रंजन चौधरी, सलमान खुर्शीद और जयराम रमेश भी मौजूद थे। FIR दर्ज होने के बाद राहुल ने कहा कि जब दिल्ली में इतने घंटे धरना देना पड़ा तो देश के बाकी हिस्सों में छात्रों और रेप पीड़ितों का क्या हाल होगा।

भाजपा ने राहुल के धरने पर कहा कि वे मीडियाजीवी हैं। जंतर-मंतर प्रदर्शन का मामला सुप्रीम कोर्ट में है और जांच कमेटी भी बना दी गई है। भाजपा महासचिव स्मृति ने कहा कि सुरक्षाबलों पर भी हमला हुआ था, उनके लिए राहुल नहीं बोले। दिल्ली पुलिस ने साहिल की मां की शिकायत पर FIR दर्ज की है। इस FIR के मुताबिक अज्ञात आरोपियों पर BNS की धारा 118 और 125 के तहत आरोप लगाए गए हैं। धारा 118 जानबूझकर खतरनाक हथियारों या खतरनाक साधनों से किसी को चोट पहुंचाने पर लगती है।

एमपी-यूपी की सात ...

इसके बाद कुल्लू में 43, चंबा में 9, कांगड़ा और सिरमौर में 6-6, शिमला और ऊना में 5-5 तथा लाहौल-स्पीति में 2 सड़कें बंद हैं।

भोजशाला के पास ...

दोनों पक्षों के लिए अलग-अलग रास्ते बनाए गए थे।

जुमे की नमाज के दौरान भोजशाला में दोपहर को हनुमान चालीसा का पाठ और भजन-कीर्तन चलता रहा। श्रद्धालु पूजन-दर्शन करते रहे। घंटे-घड़ियाल, झांझ-मंजीरे और शंख की ध्वनि गूंजती रही। भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 29 अक्टूबर 2026 को तय की गई है। सभी पक्षों को जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

भोज उत्सव समिति के संरक्षक विश्वास पांडे ने कहा, हम तो प्रत्येक शुक्रवार को हनुमान चालीसा का पाठ करते आए हैं और करते रहेंगे। हमें सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा का जो अधिकार हिंदू समाज को मिला है, उसी के तहत हम पूजा-पाठ कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- उससे (नमाज से) हमारा कोई लेना-देना नहीं है। हमें तो सिर्फ सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा का जो अधिकार मिला है, उसका हम माननीय न्यायालय के आदेश के तहत पालन कर रहे हैं और करते रहेंगे। भोजशाला हिंदुओं का मंदिर है। मां सरस्वती का स्थान है।

उन्होंने कहा- हम दोपहर 1 से 3 बजे के बीच हनुमान चालीसा का पाठ भक्ति भाव के साथ करेंगे। इसलिए सारा समाज यहां इकट्ठा हुआ है। प्रत्येक शुक्रवार क्या, हम तो प्रतिदिन मां की पूजा करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे टेस्ट में एक बदलाव किया

चुनौती

रेनशॉ की 3 साल बाद वापसी, वेदराल्ड बाहर, बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा मुकाबला कल से

लंदन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया है। जैक वेदराल्ड की जगह मैथ्यू रेनशॉ को टीम में शामिल किया गया है। रेनशॉ 3 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे और ट्रैविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। दूसरा टेस्ट 22 अगस्त से मैके में खेला जाएगा।

दो मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को बांग्लादेश ने 9 विकेट से हराया था। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने दूसरा टेस्ट जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर करने की चुनौती है।

रेनशॉ को मौका देने के लिए जैक वेदराल्ड को बाहर किया गया है। उन्होंने डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में 23 और 0 रन बनाए थे।

मैथ्यू रेनशॉ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 2023 में भारत के खिलाफ आखिरी टेस्ट खेला था।

दोनों पारियों में उन्हें हसन महमूद ने आउट किया था।

कप्तान पैट कमिंस ने वेदराल्ड के प्रदर्शन पर कहा कि वह टीम के साथ अच्छे रहे, लेकिन 6 टेस्ट मैचों में उतने रन नहीं बना सके, जितने उनसे और टीम से उम्मीद थी। अब उन्हें घरेलू क्रिकेट में लौटकर शेफील्ड शील्ड में प्रदर्शन के जरिए टीम में वापसी करनी होगी।

दूसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया के सामने टीम कॉम्बिनेशन को लेकर बड़ा सवाल था। मैके की पिच को देखते हुए चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने पर विचार किया जा रहा था। ऐसी स्थिति में नाथन लायन की जगह स्कॉट बोलैंड को मौका मिल सकता था।

हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने लायन को टीम में बनाए रखा है। लायन ने दिसंबर में एशेज के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट के बाद डार्विन टेस्ट से वापसी की थी। वहां उन्होंने पहली पारी में 1/102 का प्रदर्शन किया।

रेनशॉ ने आखिरी टेस्ट भारत के खिलाफ खेला था

मैथ्यू रेनशॉ फरवरी 2023 के बाद पहली बार टेस्ट मैच खेलेंगे। यह उनका 15वां टेस्ट होगा। उन्होंने आखिरी टेस्ट भारत दौरे पर खेला था। उस मुकाबले में वह मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करने उतरे थे।

इस बार रेनशॉ को ओपनिंग की जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में इसी भूमिका में पाकिस्तान के खिलाफ 2016-17 में शतक लगाया था। टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत 29.31 है, जबकि बेस्ट स्कोर 184 रन है।

पिछले सीजन में रेनशॉ ने शेफील्ड शील्ड में अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 49.90 की औसत से रन बनाए और तीन शतक लगाए।

नाथन लायन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 142 टेस्ट खेले हैं।

ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा। क्यूरेटर पीटर कजाकोफ के मुताबिक पिच पर पेस और बाउंस मिलने की उम्मीद है। शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है, जबकि मैच आगे बढ़ने पर पिच बल्लेबाजों और स्पिनर्स के लिए बेहतर हो सकती है।

श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया को हाई कमिश्नर का न्यौता

कोलंबो के इंडिया हाउस में हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका में भारत के हाई कमिश्नर संतोष झा ने दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया की मेजबानी की। यह कार्यक्रम कोलंबो स्थित इंडिया हाउस में हुआ। BCCI ने इस मौके से जुड़ी पोस्ट में कोलंबो की शाम को यादगार बताया गया। पोस्ट में टीम इंडिया के साथ भारत का झंडा भी लगाया गया। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 23 अगस्त 2026 से शुरू होगा। यह मुकाबला कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अब भारतीय टीम की नजरें इस दूसरे टेस्ट को जीतकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप करने पर हैं। भारत फिलहाल WTC पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर है।

हालांकि कोलंबो टेस्ट में जीत या ड्रॉ से भारत की स्थिति बेहतर होगी, लेकिन फाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें आने वाली सीरीज (न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इंडिया हाउस विदेशों में स्थित भारतीय राजनयिक मिशनों (जैसे उच्चायोग या दूतावास) के आधिकारिक कार्यालय या परिसर को संदर्भित करता है। यह भारत और उस देश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और राजनयिक कार्यों के संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है।

गिल ने बाएं हाथ के स्पिनर्स के खिलाफ किया अभ्यास

पहले टेस्ट में जयसूर्या ने 2 बार आउट किया, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने शुक्रवार को बाएं हाथ के स्पिनर्स के खिलाफ प्रैक्टिस की। कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में हुए में गिल ने मानव सुथार, रवींद्र जडेजा और दो श्रीलंका के डोमेस्टिक गेंदबाजों का सामना किया।

गिल पहले टेस्ट में बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या के खिलाफ दोनों पारियों में आउट हुए थे। उन्होंने पहली पारी में 16 और दूसरी पारी में 8 रन बनाए थे। हालांकि, भारत ने गॉल में खेले गए मुकाबले को 165 रन से जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। टेस्ट क्रिकेट में गिल का

बाएं हाथ के स्पिनर्स के खिलाफ रिकॉर्ड उनके लिए चिंता का विषय रहा है। 42 टेस्ट मैचों में वह इस तरह के गेंदबाजों के खिलाफ 11 बार आउट हो चुके हैं।

भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साईंराज बहुतुले ने कहा कि गिल कोलंबो की परिस्थितियों को समझने और उसी के हिसाब से अपने शॉट्स और डिफेंस को ढालने पर काम कर रहे हैं। गिल का रिकॉर्ड ऑफ स्पिन और लेग स्पिन के खिलाफ अपेक्षाकृत बेहतर है। इन दोनों तरह की स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ उनका संयुक्त बल्लेबाजी औसत 61 है। सभी तरह के स्पिनर्स के खिलाफ उनका करियर औसत करीब 48 है। स्पिनर कुलदीप यादव भी अभ्यास सत्र में पहुंचे, लेकिन उन्होंने न तो गेंदबाजी की और न ही बल्लेबाजी की। ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने शुभमन गिल और ऋषभ पंत को कुछ ओवर गेंदबाजी की। उन्होंने पंत को दो मौकों पर परेशान भी किया। पहले टेस्ट में कुलदीप यादव ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके थे। उन्होंने 25 ओवर में 103 रन देकर एक विकेट लिया था। उनका एकमात्र विकेट भी शुभमन गिल के शानदार कैच की मदद से आया था।

कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन से वापसी करेंगे

नई दिल्ली। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज चार महीने बाद कोर्ट पर वापसी करेंगे। दाहिनी कलाई की चोट के कारण वे अप्रैल से टेनिस से दूर हैं। अल्काराज ने 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाले US ओपन में खेलने की पुष्टि की है। वे टूर्नामेंट के डिफेंडिंग चैंपियन हैं।

चोट के कारण अल्काराज फ्रेंच ओपन, विंबलडन, टोरंटो और सिनसिनाटी ओपन में नहीं खेल सके। वे US ओपन से पहले किसी भी वार्म-अप टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। अल्काराज ने अपनी वापसी की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। अल्काराज ने भी X पर अमेरिकी झंडे और प्लेन की इमोजी के साथ पोस्ट किया।

अल्काराज ने अप्रैल में बार्सिलोना ओपन से हटने के बाद कोई मैच नहीं खेला। दाहिनी कलाई की चोट के कारण उन्हें करीब चार महीने कोर्ट से दूर रहना पड़ा। इस दौरान उन्होंने फ्रेंच ओपन और विंबलडन जैसे दोनों बड़े ग्रैंड स्लैम मिस किए।

कोलंबो के इंडिया हाउस में हुआ भव्य स्वागत, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से

श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया को हाई कमिश्नर का न्यौता

- वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पॉइंट्स टेबल में भारत 5वें नंबर पर
- इंडिया हाउस का अर्थ और राजनयिक भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका में भारत के हाई कमिश्नर संतोष झा ने दूसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया की मेजबानी की। यह कार्यक्रम कोलंबो स्थित इंडिया हाउस में हुआ।

BCCI ने इस मौके से जुड़ी पोस्ट में कोलंबो की शाम को यादगार बताया गया। पोस्ट में टीम इंडिया के साथ भारत का झंडा भी लगाया गया। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 23 अगस्त 2026 से शुरू होगा। यह मुकाबला कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा।

भारत फिलहाल WTC पॉइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर है। हालांकि कोलंबो टेस्ट में जीत या ड्रॉ से भारत की स्थिति बेहतर होगी, लेकिन फाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें आने वाली सीरीज (न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ) में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

भारत गॉल टेस्ट 165 रन से जीता

भारतीय टीम ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट मैच में श्रीलंका को 165 रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अब भारतीय टीम की नजरें इस दूसरे टेस्ट को जीतकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप करने पर हैं।

इंडिया हाउस विदेशों में स्थित भारतीय राजनयिक मिशनों (जैसे उच्चायोग या दूतावास) के आधिकारिक कार्यालय या परिसर को संदर्भित करता है। यह भारत और उस देश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और राजनयिक कार्यों के संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है। उदाहरण के लिए, लंदन में स्थित 'इंडिया हाउस' भारत का उच्चायोग है, जहां भारतीय राजनयिक दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने के लिए काम करते हैं।

मनोरंजन

फिल्म 'वाइब' का टीजर रिलीज

नई दिल्ली, एजेंसी

कुणाल खेमू की फिल्म 'वाइब' का टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें एक्शन को कॉमेडी के साथ मिलाकर दर्शकों के सामने पेश किया जाएगा। जानें क्या होगी कहानी

फिल्म 'वाइब' के टीजर में बॉलीवुड की स्पाई थ्रिलर फिल्में पठान और टाइगर पर भी कॉमेडी की। टीजर में साफ तौर पर एक पूरी तरह आम बैचलर जिंदगी वाले लड़कों को एक सीरियस मिशन में भेजा जा रहा है। हालांकि टीजर में अभी सिर्फ कुणाल खेमू, प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव ही नजर आए हैं। बाकि की कास्ट के बारे में टीजर में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

फिल्म 'वाइब' कब होगी रिलीज?

फिल्म 'वाइब' का लेखन और निर्देशन दोनों कुणाल खेमू ने किया है। फिल्म में कुणाल के अलावा प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर मुख्य किरदारों में है। 'वाइब' का निर्माण कुणाल खेमू और चिराग निहलानी ने ड्रोंगो फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'दीपिका ने फिल्म स्पिरिट की कहानी लीक की थी'

प्रोड्यूसर बोले- 10% प्रॉफिट मांगा था, मना किया तो कहानी लीक की

नई दिल्ली। प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' से दीपिका पादुकोण के बाहर होने को लेकर नया खुलासा हुआ है। फिल्म के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने इंटरव्यू में दावा किया कि दीपिका को फिल्म से हटाया गया था। उन्होंने बताया कि दीपिका ने भारी फीस के साथ फिल्म के मुनाफे में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी थी। जब मेकर्स ने उनकी मांग नहीं मानी और दूसरे ऑप्शन तलाशना शुरू किया, तो एक्ट्रेस ने फिल्म की कहानी और किरदार से जुड़ी जानकारी लीक कर दी। प्रणय रेड्डी वांगा ने इंटरव्यू में बिना नाम

फिल्म 'स्पिरिट' के प्रोड्यूसर प्रणय रेड्डी वांगा।

लिए दीपिका पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसी भी एक्टर को कहानी सुनाते समय मेकर्स उन पर पूरा भरोसा करते हैं ।

'10% हिस्सेदारी मांगी, फिर कहानी लीक कर दी'

प्रणय रेड्डी वांगा ने बताया कि उनके भाई संदीप रेड्डी वांगा लगभग डेढ़ साल से दीपिका को फिल्म में लेने के लिए बातचीत कर रहे थे। लेकिन दीपिका ने ज्यादा फीस के साथ-साथ 10 प्रतिशत प्रॉफिट शेयर की शर्त रख दी। प्रणय ने कहा कि मेकर्स के बजट में यह मांग सही नहीं बैठ रही थी। जब मेकर्स ने किसी दूसरे स्टार को कास्ट करने पर विचार शुरू किया, तो दीपिका ने फिल्म का प्लॉट लीक कर दिया।

ओटीटी पर धमाचौकड़ी मचाएगा 'बंदर'

बॉबी देओल की थ्रिलर फिल्म कब और कहां होगी स्ट्रीम?

नई दिल्ली। बॉबी देओल की हालिया रिलीज फिल्म बंदर (Bandar) अब ओटीटी पर तहलका मचाने आ रही है। यह फिल्म ढाई महीने बाद ओटीटी पर आ रही है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी क्राइम थ्रिलर बंदर 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिव्यू मिले, फिर भी फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों को खींच पाने में असफल हुई। बॉक्स ऑफिस पर असफलता के बाद अब इसे ओटीटी पर उतारा जा रहा है। भले ही बॉबी देओल की फिल्म बंदर को लोगों ने सिनेमाघरों में न देखा हो लेकिन लोग इसे ओटीटी पर देखने के लिए बेताब हैं। अगर आपने अभी तक यह फिल्म नहीं देखी है तो अब आप इसे घर बैठे ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 (Bandar on Zee5) पर देख सकते हैं। हाल ही में, मेकर्स ने फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट का भी ऐलान किया है। बॉबी देओल की ये फिल्म जी5 पर 28 अगस्त से स्ट्रीम होगी। अनाउंसमेंट के साथ पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, ₹जब किसी आदमी पर आरोप लगता है, तो क्या फैसला पहले ही तय हो जाता है? आरोप लगने के बाद किसी आदमी की जिंदगी को उलट-पुलट होते हुए देखें। फिल्म की कहानी टीवी स्टार समर (बॉबी देओल) के इर्द-गिर्द घूमती है जिसकी एक्स गर्लफ्रेंड उस पर यौन शोषण का आरोप लगाती है। इसके बाद उसका सामना एक भ्रष्ट न्याय व्यवस्था से होता है ।

मर्डर मिस्ट्री में उलझे बरुण-निमिषा, इस दिन ओटीटी पर होगी स्ट्रीम

बबीता सिंह रिपोर्टिंग का धांसू ट्रेलर रिलीज

बबीता सिंह रिपोर्टिंग का प्रीमियर 28 अगस्त को होगा। यह फिल्म भारत समेत दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में हिंदी में (अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ) सिर्फ प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी।

नई दिल्ली। भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन प्लेटफॉर्म में से एक प्राइम वीडियो ने आज अपनी आगामी प्राइम ओरिजिनल फिल्म बबीता सिंह रिपोर्टिंग का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो गया है और वर्ल्डवाइड प्रीमियर की तारीख की घोषणा कर दी है।

इस रोमांचक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा का निर्देशन अंबीएका पंडित ने और लेखन अमिता व्यास ने किया है। फिल्म का निर्माण फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शंस ने एक्ट थ्री के साथ मिलकर सौरभ मल्होत्रा, मनुज मित्तरा और टीना थरवानी ने किया है। फिल्म के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर सुदीप शर्मा हैं और फिल्म में निमिषा सयाजन , बरुण सोबती (Barun Sobti) और अंशुमान

पुष्कर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। बचपन के एक दोस्त की हत्या से बेबी पूरी तरह टूट जाती हैं। इसके बाद वह सच्चाई का पता लगाने निकल पड़ती हैं और इस सफर में उन्हें खुद को समझने का एक अनोखा मौका मिलता है। हत्या की जांच की पृष्ठभूमि पर बनी यह इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा फिल्म वास्तविकता, बहुआयामी किरदारों और जटिल पारिवारिक रिश्तों को सामने लाती है। यह एक ऐसी महिला की भावनात्मक और सच्ची कहानी है, जो अपनी जिंदगी को बदलने वाले फैसलों का सामना करती है। बबीता सिंह रिपोर्टिंग में निमिषा सयाजन, बरुण सोबती और अंशुमान पुष्कर लीड रोल में हैं। अगस्त के आखिरी हफ्ते में यह फिल्म Prime Video पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है।

क्या है फिल्म की कहानी?

एक छोटे से भारतीय शहर की पृष्ठभूमि पर बनी बबीता सिंह रिपोर्टिंग (Babita Singh Reporting) की कहानी निलंबित पुलिस अधिकारी बबीता की है, जिन्हें प्यार से बेबी कहा जाता है। वह एक ऐसी पुलिसकर्मी हैं, जिन्होंने अपनी जिंदगी का ज्यादातर हिस्सा दूसरों को खुश रखने और उनकी जरूरतों को खुद से पहले रखने में बिताया है।

ट्रम्प बोले ईरान की नेवी और एयरफोर्स खत्म, उसके पास सिर्फ कुछ मिसाइल और ड्रोन बचे

'होर्मुज पर जल्द अमेरिका का फुल कंट्रोल होगा'

ट्रम्प ने कहा कि ईरान के कई बड़े नेता अब नहीं रहे। इसके चलते नए समझौते पर बातचीत मुश्किल हो गई है। फिलहाल यह भी साफ नहीं है कि ईरान में फैसले कौन ले रहा है।

ट्रम्प ने एक बार फिर से दावा किया कि ईरान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश में महंगाई बहुत ज्यादा है। सेना को वेतन देने में भी दिक्कतें आ रही हैं।

नुकसान

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि अमेरिका जल्द ही होर्मुज स्ट्रेट पर पूरी तरह कंट्रोल कर लेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों में ईरान की नेवी, एयरफोर्स और मिलिट्री लीडरशिप को बहुत नुकसान हुआ है।

ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई करना जरूरी था।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर भविष्य में ईरान की ओर से फिर ऐसा खतरा पैदा हुआ, तो अमेरिका फिर से कड़े कदम उठाएगा।

चीन का यह बयान अमेरिका की उस अपील के एक दिन बाद आया है, जिसमें उसने अपने सहयोगी देशों और चीन से ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने में मदद करने को कहा था। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका जब बातचीत नहीं करना चाहता, तो प्रतिबंध लगाने लगता है। ईरान कई साल से ऐसे प्रतिबंध झेलता आया है और इससे उसकी नीति नहीं बदली है।

चीन बोला- ईरान पर प्रतिबंधों से मामला नहीं सुलझेगा

चीन ने अमेरिका की उस कोशिश का विरोध किया है, जिसमें दूसरे देशों से ईरान के साथ आर्थिक रिश्ते खत्म करने को कहा जा रहा है। चीन ने कहा कि ईरान पर प्रतिबंध लगाने और दबाव बनाने से मिडिल ईस्ट का संघर्ष खत्म नहीं होगा।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने शुक्रवार को कहा कि इस समस्या का हल बातचीत और कूटनीति से ही निकाला जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित देशों से जिम्मेदारी के साथ कदम उठाने की अपील की।

अमेरिका ने ईरान की मदद करने वालों को चेतावनी दी

अमेरिका ने ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों और कंपनियों को चेतावनी दी है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बैसेंट ने कहा कि जो लोग ईरान के साथ कारोबार जारी रखेंगे, उनके खिलाफ अमेरिका कड़े आर्थिक कदम उठा सकता है।

दरअसल, अमेरिका ने गुरुवार को ईरान पर नई आर्थिक कार्रवाई का ऐलान किया है। इसका मकसद ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाकर उसे परमाणु कार्यक्रम खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए मजबूर करना है।

अमेरिका पहले ही ईरान के तेल, बैंकिंग और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर कई प्रतिबंध लगा चुका है। अब वह ईरान से जुड़े दूसरे देशों और कंपनियों पर भी दबाव बढ़ाने की तैयारी में है।

अमेरिका के अलास्का में चार्टर्ड प्लेन क्रैश

दो पायलटों समेत सभी 8 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के पश्चिमी अलास्का में बड़ा हादसा हो गया है, जहां 8 लोगों को ले जा रहा रिमोट रडार साइट के पास एक चार्टर्ड प्लेन क्रैश हो गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (NTSB) के हवाले से एसोसिएटेड प्रेस (AP) ने इस विमान हादसे की पुष्टि की है।

घटना के तुरंत बाद मौके पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अलास्का के नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड के अध्यक्ष क्लिंट जॉनसन के अनुसार, विमान में दो पायलट और 6 यात्री थे।इस हादसे प्लेन में सवार पायलट समेत सभी 8 लोगों की मौत हो गई। NTSB बोर्ड के अध्यक्ष क्लिंट जॉनसन के अनुसार, आठ लोगों को ले जा रहा एक दो इंजन वाला सेसना चार्टर विमान गुरुवार को एंकोरेज से केप न्यूएनहैम जाते

समय पश्चिमी अलास्का में एक दूरस्थ रडार साइट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अमेरिकी सेना ने कहा कि इस चार्टर प्लेन हादसे में विमान सवार 2 पायलट समेत सभी 8 लोगों की मौत की पुष्टि की है। यह चार्टर प्लेन गुडन्यूज बे से लगभग 40 मील दक्षिण में स्थित केप न्यूएनहैम की ओर जा रहा था। यह एक वायु सेना की हवाई पट्टी है और लंबी दूरी के रडार स्टेशन तक पहुंच प्रदान करती है। उन्होंने आगे बताया कि एनटीएसबी, अलास्का स्टेट ट्रूपर्स और बचाव समन्वय केंद्र दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।

फास्ट न्यूज़

दुनिया की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनी दिवालिया

नई दिल्ली। 2017 में दुनिया की सबसे मूल्यवान रियल एस्टेट कंपनी बनी चीन की एवरग्रैंड को कोर्ट ने शुक्रवार को दिवालिया घोषित कर दिया है। इससे पहले गुरुवार को धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के फाउंडर हुई का यान को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। एवरग्रैंड के फाउंडर हुई का यान की कहानी गांव के एक गरीब लड़के के शहरी सपनों का सौदागर बनकर चीन का सबसे अमीर आदमी बनने की है।

सोमालिया में तुर्किए के हथियारों से लदा मालवाहक जहाज हाईजैक

मोगादिशु। सोमालिया के पुंटलैंड तट के पास समुद्री डाकुओं ने कैमरून के ध्वज वाला मालवाहक जहाज 'M/V LUTUF' का अपहरण कर लिया है। इस जहाज पर सवार 10 सदस्यीय क्रू में 6 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

सोमाली अधिकारी के अनुसार, जहाज को एइल जिले के मरराया से लगभग 3.5 समुद्री मील दूर से अगवा किया गया और बाद में इसे नुगल तट की ओर ले जाया गया। जहाज पर सवार 10 सदस्यों में 6 भारतीय नागरिकों के अलावा 1 तुर्की नागरिक, 1 जॉर्जियाई नागरिक और 2 सर्बियाई सुरक्षा गार्ड मौजूद हैं।

अमेरिका का कर्ज पहली बार 40 लाख करोड़ डॉलर के पार पहुंचा

न्यूयॉर्क। अमेरिका का कर्ज पहली बार 40 लाख करोड़ डॉलर (40 ट्रिलियन डॉलर) के पार पहुंच गया है। पिछले एक दशक में यह दोगुना हो गया है। यह बढ़ोतरी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और जो बाइडन दोनों प्रशासनों के तहत भारी-भरकम खर्चों को दर्शाती है।

2016 में यह 20 लाख करोड़ डालर से नीचे था।

तैनाती : अमेरिकी वॉरशिप जॉर्ज वॉशिंगटन की अरब सागर में एंट्री

250 दिन से तैनात लिंकन की जगह ली अब चीन के पास कोई अमेरिकी एयरक्राफ्ट नहीं

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी वॉरशिप USS जॉर्ज वॉशिंगटन ने गुरुवार से पश्चिम एशिया में ऑपरेशन शुरू कर दिया है। यह 250 दिन से क्षेत्र में तैनात USS अब्राहम लिंकन की जगह पहुंचा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसकी जानकारी दी है।

लिंकन पर तैनात अमेरिकी सैनिक लंबे समय से ड्यूटी पर थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैनिकों ने जहाज पर खराब शौचालय, फफूंद लगे शॉवर, दूषित पानी जैसी परेशानियों की शिकायत की थी। कुछ सैनिकों की तबीयत भी खराब हो गई थी जिसके बाद उनके परिवारों ने उनकी हालत को लेकर चिंता जताई थी।

USS जॉर्ज वॉशिंगटन की तैनाती ऐसे समय हुई है जब ईरान को लेकर क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। इससे पहले यह साउथ चाइना सी में तैनात था। अब वहां कोई अमेरिकी

एयरक्राफ्ट मौजूद नहीं है।

USS जॉर्ज वॉशिंगटन के अरब सागर चले जाने से अब साउथ चाइना सी में अमेरिका का एक भी एयरक्राफ्ट कैरियर नहीं है। यह अमेरिका के लिए बेहद अहम इलाका है। यहां चीन, ताइवान, फिलीपींस, वियतनाम जैसे देश हैं।

यहां से दुनिया के बड़े व्यापारिक समुद्री रास्ते गुजरते हैं और चीन इस इलाके के बड़े हिस्से पर अपना दावा करता है। अब जॉर्ज वॉशिंगटन के हटने से इस इलाके में अमेरिका की सैन्य ताकत कम हो गई है। ऐसे में किसी अचानक संकट या चीन के साथ तनाव बढ़ने पर अमेरिका को जवाब देने में थोड़ा ज्यादा वक्त लग सकता है।

अमेरिका के पास 11 परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। इसमें से 2 एयरक्राफ्ट कैरियर जॉर्ज वॉशिंगटन और जॉर्ज बुश अरब सागर में तैनात हैं। वहीं, वॉरशिप लिंकन अरब सागर से लौट रहा है। यह पहली बार नहीं है, जब जॉर्ज वॉशिंगटन अरब सागर में पहुंचा है। 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में भी इसने फारस की खाड़ी में कई ऑपरेशन किए थे।

होर्मुज में 21 भारतीय नाविकों वाले जहाज पर ईरान का हमला

तेहरान। वैश्विक समुद्री कार्यबल में 12.2 प्रतिशत की भारी हिस्सेदारी रखने वाले भारतीय नाविक पर गंभीर संकट खड़ा हो गया हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए हमलों और ईरान द्वारा होर्मुज को युद्ध क्षेत्र में बदलने के बाद से भारतीय मर्चेंट नेवी इस भू-राजनीतिक संघर्ष की सीधी चपेट में आ गए हैं। रणनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील यह जलमार्ग दुनिया के कुल तेल और एलएनजी जहाजरानी के लगभग पांचवें हिस्से का लाइफ-लाइन है, जिसके चलते इस संकट ने न केवल भारतीय नाविकों की सुरक्षा बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को भी खतरे में डाल दिया है।जून में जारी संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों में कम से कम 15 नाविकों की मौत हो चुकी है, जिनमें कई भारतीय शामिल थे।

पेरू में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया कई इलाकों में झटके महसूस हुए

नई दिल्ली, एजेंसी

पेरू के दक्षिणी हिस्से में गुरुवार को 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से नुकसान की कोई खबर नहीं मिली।

भूकंप स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 1 बजे (भारतीय समयानुसार रात 11:30 बजे) आया।

इसका केंद्र आयाकूचो क्षेत्र के पैरिनाकोचास प्रांत में उपाहुआचो शहर से 38 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था।

भूकंप का केंद्र जमीन से 66.7 किलोमीटर गहराई में था। दक्षिणी पेरू के कई इलाकों में इसके झटके महसूस किए गए, जिनमें इंका और अरेकिपा भी शामिल हैं।

भूकंप से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका एंडीज पर्वतीय रेंज के आसपास का है। भूकंप के झटके लगने के बाद पहाड़ों से चट्टानें गिरने लगीं। भूकंप से सबसे ज्यादा

प्रभावित इलाका एंडीज पर्वतीय रेंज के आसपास का है। भूकंप के झटके लगने के बाद पहाड़ों से चट्टानें गिरने लगीं। पेरू प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है। यह इलाका भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है, इसलिए यहां अक्सर भूकंप आते हैं।

साल 2026 में वेनेजुएला में आया सबसे बड़ा भूकंप, 6 हजार मौतें

इस साल वेनेजुएला में सबसे बड़ा भूकंप आया। 24 जून को 7.2 की तीव्रता से आए भूकंप में 6 हजार से ज्यादा मौतें हुईं थीं। इसके अलावा कोलंबिया में 10 अगस्त को आए भूकंप में 70 से ज्यादा जानें गई थीं।

अस्पताल से फिर जेल भेजे गए इमरान

डॉक्टर बोले- पूर्व पीएम को जेल में रखना सुरक्षित, देर रात हॉस्पिटल में भर्ती किया था

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मेडिकल जांच के बाद शुक्रवार को इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल से वापस अडियाला जेल भेज दिया गया। जियो न्यूज के मुताबिक, अस्पताल पहुंचने के बाद 6 डॉक्टरों की टीम ने उनकी मेडिकल जांच की। जांच के बाद डॉक्टरों ने कहा कि इमरान खान को अस्पताल में भर्ती रखने की जरूरत नहीं है और उन्हें जेल में ही रखा जा सकता है। इसके बाद इमरान खान को कड़ी सुरक्षा के बीच वापस रावलपिंडी की अडियाला जेल ले जाया गया।

अस्पताल लाए जाने के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। गुरुवार देर रात उन्हें अडियाला जेल से शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल लाया गया था। इमरान के अस्पताल पहुंचने के बाद सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई थी।

अस्पताल की सभी लाइटें बंद कर दी गईं। स्टाफ के मोबाइल फोन भी जमा करा लिए गए और अस्पताल के बाहर मौजूद मीडिया को वहां से हटा दिया गया। मेडिकल जांच पूरी होने के बाद इमरान को वापस जेल भेज दिया गया।

जेल प्रशासन ने मिलने नहीं दिया

सुप्रीम कोर्ट की तय समय सीमा बीतने के बाद इमरान खान के वकील खालिद यूसुफ चौधरी ने कहा कि वे अडियाला जेल के बाहर मौजूद थे, लेकिन उन्हें इमरान से मिलने नहीं दिया गया।

चौधरी के मुताबिक, उन्हें इमरान खान से अवमानना याचिका और पावर ऑफ अटॉर्नी पर उनके हस्ताक्षर कराने थे, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें मिलने की अनुमति नहीं दी।

एससी के आदेश के खिलाफ सरकार ने फिर रिव्यू पिटीशन दाखिल की

पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में दोबारा रिव्यू पिटीशन दाखिल की है। इसमें मांग की गई है कि इमरान खान को इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल भेजने के आदेश को बदला जाए।

इससे पहले भी सरकार ने इसी मांग को लेकर रिव्यू पिटीशन दाखिल की थी। कोर्ट के रजिस्ट्रार ऑफिस ने जरूरी दस्तावेज पूरे नहीं होने की वजह से इसे लौटा दिया था।

> **कोर्ट में पेश की गई मेडिकल रिपोर्ट में इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव, दिल की धड़कन तेज होने और काफी मानसिक तनाव की समस्या सामने आई।**
>
> **इमरान का हालिया ब्लड प्रेशर 140/80 दर्ज किया गया, जबकि उनकी नब्ज 54 बार प्रति मिनट थी। फरवरी में उनका ब्लड प्रेशर 120/80 था, जो सामान्य माना जाता है।**

दिल्ली के जेन-जी प्रदर्शन का असर अब वियतनाम तक

छात्रा की मौत पर इंसाफ के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे युवा

हनोई, एजेंसी

दिल्ली में युवाओं के नेतृत्व में हुए हालिया विरोध प्रदर्शनों का असर अब वियतनाम तक देखने को मिल रहा है। वियतनामी राजधानी हनोई में एक छात्रा की सड़क हादसे में मौत के बाद इंसाफ की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ युवाओं का विरोध प्रदर्शन बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में वियतनाम सरकार ने घरेलू अशांति की आशंका से वहां के मीडिया को दिल्ली के इन प्रदर्शनों से जुड़ी खबरों के कवरेज पर कड़ी सावधानी बरतने के आंतरिक निर्देश जारी किए हैं। बता दें कि वियतनाम की राजधानी हनोई में कुछ महीने पहले एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ था। इस हादसे में एक रईस राजनेता की तेज रफ्तार कार ने 18 साल की छात्रा मीना को टक्कर मार दी थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। परिवार और युवाओं का आरोप है कि रसूखदार होने की वजह से

उस राजनेता को बचाने की कोशिश की जा रही है और अब तक मीना को इंसाफ नहीं मिला है। इसी गुस्से में वहां के छात्र और युवा सरकार के खिलाफ एकजुट हो गए हैं।

इस विरोध प्रदर्शन की खास बात यह है कि बड़े दफ्तरों के बजाय, हनोई में युवाओं ने विरोध प्रदर्शन के लिए 'ट्री 55' नाम के एक पेड़ को चुना है। यहां हनोई के युवा बड़ी संख्या में इकट्ठा हो रहे हैं। वे मीना की याद में उस पेड़ के पास फूल चढ़ा रहे हैं। इस शांत लेकिन मजबूत विरोध प्रदर्शन के जरिए वे सरकार और प्रशासन पर इंसाफ के लिए दबाव बना रहे हैं।

जांच : मुंबई के दो डॉक्टरों ने 1946 में बताया था- जिन्ना को गंभीर टीबी

जिन्ना की बीमारी छिपाने वाले डॉक्टरों को पाकिस्तान सम्मानित करेगा

जिन्ना की बीमारी की बात छिपाए जाने को अक्सर भारत के बंटवारे और पाकिस्तान बनने से जोड़कर देखा जाता है।

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान अपने संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की गंभीर बीमारी की जानकारी गुप्त रखने वाले मुंबई के दो डॉक्टरों को देश के बड़े नागरिक सम्मानों में से एक निशान-ए-इम्तियाज देगा।

दोनों डॉक्टरों ने 1946 में जिन्ना के एक्स-रे की जांच कर उन्हें गंभीर टीबी होने की जानकारी दी थी।

पाकिस्तान के योजना मंत्री और अवॉर्ड्स कमेटी के अध्यक्ष अहसन इकबाल ने सोशल मीडिया पर बताया कि दोनों डॉक्टरों को सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने जिन्ना की बीमारी की बात किसी को नहीं बताई और उस समय

'चुपचाप लेकिन बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभाई।'

पाकिस्तान के मंत्री अहसन इकबाल ने बताया कि पूर्व ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने कहा था कि अगर उन्हें उस समय पता होता कि जिन्ना गंभीर रूप से बीमार हैं, तो वे भारत की आजादी कुछ महीने टाल सकते थे। उनके मुताबिक, ऐसा होता तो शायद पाकिस्तान नहीं बनता।

मुंबई के पारसी समुदाय से दोनों डॉक्टर

जिन्ना की बीमारी छिपाने वाले दोनों डॉक्टर मुंबई के पारसी समुदाय से थे। डॉ. जेआर पटेल और डॉ. जेए धायभो-कू ने 1946 में जिन्ना के एक्स-रे की जांच की थी। इसमें पता चला कि जिन्ना को गंभीर टीबी है। फ्रीडम एट मिडनाइट किताब के मुताबिक, डॉक्टरों को लगा था कि जिन्ना के पास सिर्फ 1 से 2 साल का समय बचा है। उनकी बीमारी के बारे में बहुत कम लोगों को पता था। इनमें उनकी बहन फातिमा जिन्ना और दोनों डॉक्टर शामिल थे।

हालांकि यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि जिन्ना की बीमारी सामने आने पर पाकिस्तान का बनना रुक ही जाता। पाकिस्तान बनने के करीब एक साल बाद जिन्ना की मौत 11 सितंबर 1948 को हुई थी । अब पाकिस्तान इन दोनों डॉक्टरों को मरणोपरांत सम्मान देने जा रहा है।

भारत में ग्लोबल वार्मिंग का असर कम गर्मी बढ़ने की रफ्तार सबसे धीमी

वाशिंगटन, एजेंसी

दुनिया भर में लगातार टूटते गर्मी के रिकॉर्ड्स के बीच नासा के शोध ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। जहां पूरी दुनिया इस समय ग्लोबल वार्मिंग की भयानक चपेट में है, वहीं भारत में गर्मी बढ़ने की रफ्तार बाकी देशों की तुलना में काफी धीमी बनी हुई है।

इस खास प्राकृतिक घटना को जलवायु वैज्ञानिक वार्मिंग होल नाम दे रहे हैं, जो भारत को वैश्विक तापन के चरम प्रभाव से फिलहाल सुरक्षित रखे हुए है।

नासा के नक्शे में जहां यूरोप, मध्य पूर्व और एशिया के कई देश भीषण गर्मी दर्शाने वाले गहरे लाल और नारंगी रंगों से तपते दिख रहे हैं, वहीं भारत का हिस्सा हल्के पीले और सफेद रंग में नज़र आता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में बड़े पैमाने पर की जाने वाली सिंचाई इस स्थिति का एक मुख्य कारण है। खेतों की सिंचाई से हवा में नमी की मात्रा बढ़ती है, जिससे स्थानीय स्तर पर तापमान कम रहता है।

इसके साथ ही, हवा में मौजूद प्रदूषण के कण सूर्य की किरणों को वापस परावर्तित करके अंतरिक्ष की ओर लौटा देते हैं, जिससे धरातल पर गर्मी का दबाव काफी हद तक दब जाता है।

वैश्विक आंकड़ों से भारतीय स्थिति में बड़ा अंतर

नासा के आंकड़ों के अनुसार, साल 1980 के बाद से पृथ्वी का औसत तापमान लगभग 1.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसके विपरीत, भारत में 20वीं सदी की शुरुआत से लेकर अब तक तापमान में यह बढ़ोतरी 0.9 डिग्री सेल्सियस से भी कम दर्ज की गई है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96